वर्ष : 33 ▸ अंक : 124 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शनिवार, 20 जुलाई 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र में भाजपा सहयोगी दलों के साथ मिलकर लड़ेगी विधानसभा चुनाव

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव ने ऐलान किया है कि अगला विधानसभा चुनाव सहयोगी दलों के साथ ही मिलकर लड़ा जायेगा। दोनों प्रभारियों ने प्रदेश भाजपा को सहयोगी दलों के साथ तालमेल रखने और लोकसभा में हुई गलतियों में सुधार करने के लिए भी निर्देश दिया है। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की कोर कमेटी की बैठक महाराष्ट्र प्रभारी और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में गुरुवार को देर रात आयोजित की गई। बैठक में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के रोडमैप और सीटों के बंटवारे और गठबंधन पर भी चर्चा हुई। सूत्रों ने जानकारी दी है कि अजित पवार और एकनाथ शिंदे के ग्रुप को लेकर कुछ बीजेपी नेताओं की ओर से शिकायत की गई थी। बैठक में कुछ बीजेपी नेताओं ने शिकायत की है कि अजित पवार और एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना ने लोकसभा में मदद नहीं की।

विधानसभा चुनाव का बिगुल

आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सभी राजनितिक दलों ने अपनी कमर कस ली है। सतारूढ़ महायुति और विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी ने अपनी रणनीति तय कर रहे हैं। साथ ही दोनों खेमों में सीट शेयरिंग को लेकर गहमागहमी भी देखी जा रही है।

शरद पवार गुट ने महायुति सरकार की 'काली करतूतों' की किताब की जारी

अमित बृज । मुंबई

शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने शुक्रवार को महायुति सरकार की काली करतूतों पर एक किताब जारी करते हुए चुनावी बिगुल फूंक दिया है। इस दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने इसे "ट्रिपल इंजन नहीं, बल्कि ट्रबल इंजन" (तीन इंजनों वाली नहीं, मुसीबत वाली) सरकार करार दिया। पाटिल ने कहा कि वंचित महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक सहायता देने का वादा करने वाली 'लाड़की बहन योजना' के स्थान पर 'लाड़की खुर्ची (कुर्सी) योजना' शुरू की जानी चाहिए ताकि 'मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा रखने वाले सभी लोगों की मांगों को पूरा किया जा सके।' महायुति सरकार के 'काले कारनामों' पर अपनी किताब में, राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने सत्तारूढ़ गठबंधन की 10 'विफलताओं' को उजागर किया, जबकि राज्य में 'कुशासन' और 'भ्रष्टाचार' पर तीखा हमला किया।

यह ट्रबल इंजन वाली सरकार है'

जयंत पाटिल ने कहा कि यह ट्रिपल इंजन वाली सरकार नहीं है, यह ट्रबल इंजन वाली सरकार है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि राज्य में "लाड़की खुर्ची" (लाड़की कुर्सी) शुरू की जानी चाहिए। शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा में पिछले साल तब विभाजन हो गया था जब अजित पवार अपने वफादार विधायकों को लेकर सरकार में शामिल हो गए थे। बाद में उन्हें पार्टी का नाम और घड़ी का चुनाव चिन्ह मिला।

क्रॉस वोटिंग करने वाले कांग्रेस विधायकों पर एक्शन, चुनाव लेकर पार्टी ने बनाई रणनीति

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा को लेकर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। शुक्रवार को मुंबई में कांग्रेस नेताओं की बेहद अहम बैठक हुई है। दादर के तिलक भवन में हुई बैठक में महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी के सभी जिला अध्यक्षों शामिल हुए। बैठक में कांग्रेस पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल और महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और अन्य कांग्रेस नेताओं ने शिरकत की। इस अवसर पर कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने पिछले सप्ताह महाराष्ट्र विधान परिषद की 11 सीटों के लिए हुए द्विवार्षिक चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ एक्शन होगा। उन्होंने कहा कि क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और आप भविष्य में इसका नतीजा देखेंगे। अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण है। जब उनसे पूछा गया कि क्या असंतुष्ट विधायकों को विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं दिया जाएगा, तो एआईसीसी महासचिव (संगठन) ने कहा कि आप अपनी धारणाएं रख सकते हैं। बता दें कि 12 जुलाई को हुए विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव में कांग्रेस के सात विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी।

सीट बंटवारे पर जानें क्या बोले केसी वेणुगोपाल ?

वेणुगोपाल ने कहा कि देश में बदलाव की बयार चल रही है। हमने अयोध्या के बाद बद्रीनाथ भी जीता है। सारी पुलिस फोर्स उत्तराखंड में लगाई गई थी, फिर भी हम जीते। 13 में से 11 सीट हम जीत कर आए हैं। लोकसभा में क्या हुआ? सबने देखा लेकिन उसके बाद अब चुनाव में भी इनकी हार हुई है। यह दिखाता है कि देश बदलाव हो रहा है। महाराष्ट्र में कौन महाविकास अघाड़ी में मुख्यमंत्री पद का चेहरा होगा, यह पूछे जाने पर वेणुगोपाल ने कहा कि चेहरा हमने अभी डिसाइड नही किया है। सीट शेयरिंग पर हमारी बात हो रही है। पहले हम अपनी तरफ से निर्णय लेंगे। फिर घटक दलों के साथ बात करेंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि आज की बैठक चुनाव की तैयारियों को लेकर थी। कांग्रेस को मजबूत करने के लिए अच्छी चर्चा हुई। हमारा लक्ष्य महाराष्ट्र से इस भ्रष्ट सरकार को हटाना है। यह सरकार कोई स्वाभाविक सरकार नहीं है।हम सरकार बनाने जा रहे हैं। हम एमवीए के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं। हम इस भ्रष्ट सरकार को हराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि बीजेपी हमेशा मुद्दों को भटकाने का काम करती है, लेकीन हम उसमें नहीं जायेंगे हम उस राजनीति में नहीं पड़ेंगे। बीजेपी जान बूझकर माहौल खराब करना चाहती है। हम उस मुद्दे पर ध्यान नहीं देंगे। डॉयवर्ट नही होंगे।

फेक नैरेटिव पर बीजेपी का हल्लाबोल

10 नेताओं की टीम सुबह-शाम देंगी जवाब

नितिन तोरस्कर । मुंबई

लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में मिली हार से बीजेपी अभी भी सकते में है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित बीजेपी के लगभग सभी बड़े नेताओं का ये मानना है कि 'महाविकास आघाड़ी' (MVA) महाराष्ट्र में महायुति को हराने जैसा नामुमकीन काम 'संविधान परिवर्तन' जैसे कई अन्य फेक नैरेटिव्स की मदद से ही कर पाई। विधानसभा में महाविकास आघाडी के फेक नैरेटिव के शस्त्र को नाकाम करने के लिए बीजेपी में पिछले कई दिनों से लगातार मंथन चल रहा है। इस मंथन के बाद महाविकास आघाडी के फेक नैरेटिव्स का मुंहतोड़ जवाब देने का निर्णय लिया है। इसके लिए बीजेपी के 10 प्रमुख नेताओं की टीम बनाई गई है। ये टीम प्रतिदिन पत्रकारों से संवाद साधेगी। ऐसा निर्णय मुंबई के नरीमन प्वाइंट स्थित महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय में आयोजित बीजेपी की कोर कमेटी की दो दिवसीय बैठक के बाद लिया गया है। लोकसभा चुनाव के दौरान महाविकास आघाडी ने बीजेपी के खिलाफ 'संविधान परिवर्तन' सहित कई अन्य मुद्दों को आक्रामकता के साथ उठाया था। बीजेपी ने विपक्ष के इन मुद्दों को फेक नैरेटिव करार दिया है और लोकसभा चुनाव की गलतियों से नसीहत लेते हुए विधानसभा में विपक्ष के फिर से फेक नैरेटिव फैलाने के प्रयास को नाकाम करने के लिए अहम फैसला लिया है। विपक्ष की आलोचना का जवाब देने की जिम्मेदारी बीजेपी ने पार्टी के 10 फायरब्रांड नेताओं को दी गई है।

संजय राऊत को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब

बीजेपी कोर कमेटी की बैठक के बाद पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि प्रतिदिन सुबह 9 बजे विपक्ष की आलोचना का जवाब देने के लिए बीजेपी ने चार सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे, नवनिर्वाचित विधान परिषद विधायक पंकजा मुंडे, विधायक व मुंबई प्रदेश अध्यक्ष आशीष शेलार, विधान परिषद में गुट नेता प्रवीण दरेकर शामिल हैं। इसी तरह शाम 4 बजे जवाब देने के लिए बीजेपी की ओर से बनाई गई छह सदस्यीय टीम में राज्य के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, गिरीश महाजन, माधव भंडारी, सांसद अशोक चव्हाण, अतुल भातखलकर और राम कदम शामिल हैं।

20 सदस्यीय संभागीय टीम भी तैनात

इतना ही नहीं विभाग के अनुसार पार्टी की स्थिति समझाने और बात करने के लिए बीजेपी ने 20 और प्रमुख नेताओं का चयन किया है। भाजपा की इस संभागीय टीम में केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारती पवार, विधायक हिना गावित, एड. उज्ज्वल निकम, विधायक श्रीकांत भारतीय, चित्रा वाघ, निरंजन डावखरे, सदाभाऊ खोत आदि शामिल हैं। इससे यह तय हो गया है कि अब हर सुबह पत्रकार परिषद करने वाले शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता व प्रवक्ता संजय राऊत सहित महाविकास आघाडी के अन्य नेताओं को तुरंत मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।

महायुति में सीटों पर रस्साकशी

शुक्रवार को संपन्न हुई बीजेपी की दो दिवसीय कोर कमेटी की बैठक में महाराष्ट्र के प्रभारी व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव तथा सह प्रभारी और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष महाराष्ट्र के नेताओं ने महायुति में बीजेपी को कम से कम 180 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग की। दूसरी तरफ शिवसेना शिंदे गुट 100 सीटों तथा राकांपा (अजित पवार) भी लगभग 90 सीटों की मांग कर रही है।

पूजा के खिलाफ UPSC ने दर्ज कराई FIR

झूठी पहचान बताकर ज्यादा अटेम्प्ट देने का आरोप

दोपहर संवाददाता । पुणे

2023 बैच की ट्रेनी IAS ऑफिसर पूजा खेडकर के खिलाफ UPSC ने FIR दर्ज कराई है। UPSC ने आरोप लगाया है कि पूजा ने अपनी पहचान बदल-बदलकर UPSC की तय सीमा से ज्यादा बार सिविल सर्विसेस का एग्जाम दिया। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पूजा के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी, आईटी एक्ट और डिसेबिलिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

सिलेक्शन कैंसिल करने को लेकर भी जवाब मांगा

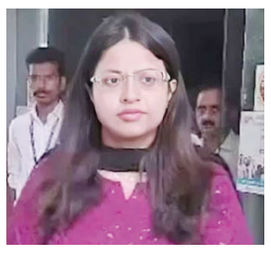

इसके अलावा UPSC ने पूजा को नोटिस जारी कर सिलेक्शन कैंसिल करने को लेकर भी जवाब मांगा है। UPSC ने कहा कि पूजा के खिलाफ गहन जांच की गई। इसमें पाया गया कि उन्होंने अपना नाम, माता-पिता का नाम, सिग्नेचर, फोटो, ईमेल ID, मोबाइल नंबर और एड्रेस बदलकर UPSC का एग्जाम दिया। दरअसल, पूजा पर ट्रेनिंग के दौरान पद का गलत इस्तेमाल करने और खराब आचरण करने का आरोप लगा था। सबसे पहले पुणे के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सुहास दिवासे ने पूजा के खिलाफ शिकायत की थी, जिसके बाद उनका ट्रांसफर वाशिम कर दिया गया था। इसके बाद पूजा खेडकर पर पहचान छिपाने और OBC, विकलांगता कोटे के दुरुपयोग करने का आरोप लगा। केंद्र की कमेटी इसकी जांच कर रही है। 16 जुलाई को पूजा की ट्रेनिंग रोक दी गई और उन्हें मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी (LBSNAA) वापस बुला लिया गया। हालांकि, वे अभी भी वाशिम में ही हैं।

पिता की गिरफ्तारी पर कोर्ट ने लगाई रोक

पुणे की अदालत ने डराने धमकाने के मामले में आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी है। पुणे विवादों में घिरी ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मां की गिरफ्तारी के बाद उनके पिता पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकी थी। उन्होंने सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका फाइल की थी।

इलेक्टोरल बॉन्ड पर 22 जुलाई को 'सुप्रीम' सुनवाई

एजेंसी । नई दिल्ली

इलेक्टोरल बॉन्ड का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। NGO कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (CPIL) ने बॉन्ड के लेनदेन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में SIT जांच की मांग की है। इस पर 22 जुलाई को सुनवाई होगी। सुनवाई CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच करेगी। दोनों NGO की ओर से एडवोकेट प्रशांत भूषण ने यह याचिका लगाई है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि इससे जुड़ी बाकी याचिकाओं को भी एक साथ सुना जाएगा।

याचिका में दो मांगें रखी गई

मार्च 2024 में इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा सामने आने के बाद यह याचिका लगाई गई। इसमें दो मांगें रखी गई हैं। • **पहली** : इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए कॉरपोरेट्स और राजनीतिक दलों के बीच लेन-देन की जांच SIT से कराई जाए। SIT की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज करें। • **दूसरी**: दूसरी मांग है कि आखिर घाटे में चल रहीं कंपनियों (शैल कंपनियां भी शामिल) ने पॉलिटिकल पार्टीज को कैसे फंडिंग की। अधिकारियों को निर्देश दिया जाए की पॉलिटिकल पार्टियों से इलेक्टोरल बॉन्ड में मिली राशि वसूल करें। क्योंकि यह अपराध से जरिए कमाई गई राशि है।

मराठा नेता मनोज जरांगे फिर से करेंगे भूख हड़ताल

जालना। मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल मराठा समाज को ओबीसी कोटे से आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर शनिवार को दस बजे से जालना जिले के अंतरवाली सराटी में फिर से भूख हड़ताल शुरू करेंगे। मनोज जरांगे पाटिल ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि उन्हें राज्य सरकार ने 13 जुलाई तक मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र सगे संबंधियों के आधार पर देने का आश्वासन दिया था। लेकिन जो अवधि सरकार ने दिया था, वह अवधि एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी उन्हें सरकार की ओर से कोई सूचना नहीं दी गई है। यहां तक कि सरकार की ओर से कोई मंत्री और विधायक उनसे मिलने नहीं आया है। इसी वजह से वे फिर से भूख हड़ताल करने के लिए बाध्य हुए हैं। मनोज जरांगे ने बताया कि वे जल्द ही महाराष्ट्र के सभी 288 विधायकों को जीताना है या हराना है, इस पर समाज की भूमिका स्पष्ट करेंगे।

सीधे राजमार्ग से जुड़ेंगे एमएमआर क्षेत्र के सभी शहर

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की पहल पर एक्सेस कंट्रोल रोड का निर्माण

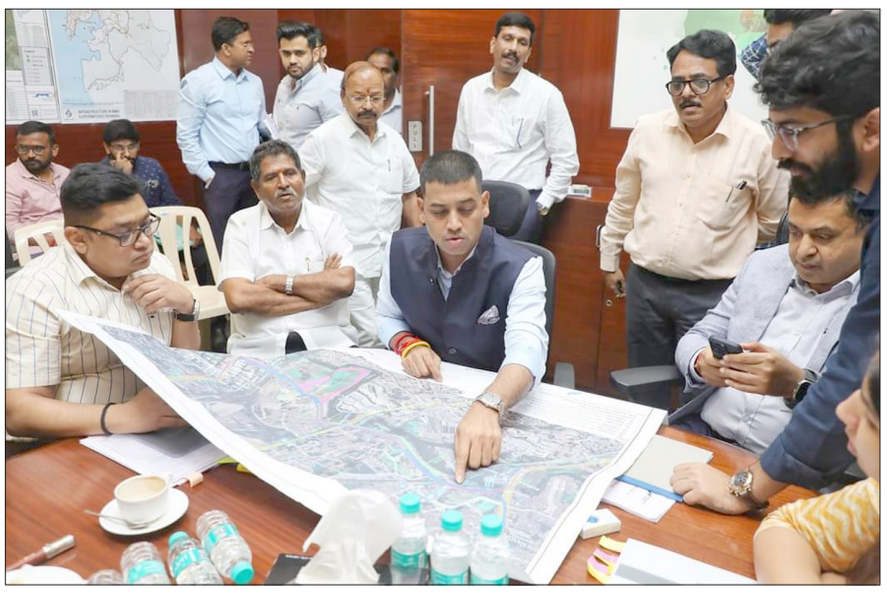

दोपहर संवाददाता । कल्याण

कल्याण लोकसभा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को तेज करने के लिए नवी मुंबई एनएच-3 वाया कल्याण बदलापुर एक्सेस कंट्रोल रोड का निर्माण किया जा रहा है। इस सड़क के निर्माण के बाद एमएमआर क्षेत्र के सभी शहर मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, डोंबिवली, कल्याण, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर सीधे राजमार्ग से जुड़ जाएंगे और वाहन चालकों को इंट्रा-सिटी ट्रैफिक से बड़ी राहत मिलेगी। इस सड़क का निर्माण कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे की संकल्पना और पहल से किया जा रहा है।

एमएमआरडीए कमिश्नर संजय मुखर्जी की मौजूदगी में एक अहम बैठक

हाल ही में इस सड़क के निर्माण को लेकर एमएमआरडीए मुख्यालय में एमएमआरडीए कमिश्नर संजय मुखर्जी की मौजूदगी में एक अहम बैठक हुई थी। इस बैठक में इस सड़क के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई और इस मौके पर सांसद डॉ. शिंदे ने संबंधित अधिकारियों को इस सड़क के निर्माण के लिए तेजी से उपाय करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सांसद डॉ. शिंदे ने टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स द्वारा सुझाए गए कई विकल्पों पर उनके विशेषज्ञों से बातचीत की। टाटा के माध्यम से, यह निर्धारित किया गया है कि बदलापुर से नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (तुर्भे-तलोजा-उसत्ने और खारघर-तुर्भे लिंक रोड) अधिकारियों को दिए गए मार्ग पहुंच नियंत्रण मार्ग के लिए एक अच्छा विकल्प है।

रोड की विशेषता

- यह सड़क बदलापुर से होते हुए मुंबई वडोदरा नेशनल हाईवे से शुरू होगी।
- इस रूट से आगे बढ़ते हुए पालेगांव में रूट का पहला इंटरचेंज होगा। इससे नागरिक अंबरनाथ शहर और कटाई बदलापुर मार्ग पर जा सकेंगे।
- अब से यह मार्ग कल्याण पूर्व से होकर गुजरता है और हेदुटने में मार्ग को एक और इंटरचेंज दिया गया है। यह इस मार्ग पर एक बहुत ही महत्वपूर्ण इंटरचेंज है और यहां से वाहन चालक मेट्रो-12 के हेदुटने स्टेशन तक जा सकेंगे। साथ ही कल्याण रिंग रोड की कनेक्टिविटी भी इसी रूट से होगी। यहां से कल्याण-शिलफाटा मार्ग तक भी पहुंचा जा सकता है।
- इसके बाद शिरधोन में इस सड़क से मल्टी-मोड कॉरिडोर मार्ग तक पहुंचा जा सकेगा। इस मल्टीमोड कॉरिडोर सड़क का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। यह मल्टी-मोड कॉरिडोर सड़क सीधे मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे तक ले जाएगी। वही मल्टीमोड कॉरिडोर सीटीएस कोस्टल रोड से भी जुड़ा होगा और इसके जरिए सीधे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंचना आसान हो जाएगा।
- शिरढोण में तीसरा इंटरचेंज होने से कल्याण के 27 गांव यहां से जुड़ जाएंगे। उसाटने से स्टेट हाईवे से इसकी कनेक्टिविटी होगी। उसाटेन में सड़क का काम भी प्रगति पर है। इसके अलावा यह मार्ग मुंबई-पनवेल राजमार्ग से भी जुड़ जाएगा और नागरिकों के लिए पनवेल जाना आसान हो जाएगा।
- फिर यह सड़क सीधे खारघर तुर्भे लिंक रोड से जुड़ जाएगी। इस लिंक रोड की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और वास्तविक निर्माण कार्य भी जल्द ही शुरू हो जाएगा। इस लिंक रोड के माध्यम से, कोई सीधे नवी मुंबई शहर और नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक जा सकता है।
- यह सड़क बदलापुर से मुंबई वडोदरा राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेगी और इसके माध्यम से नागरिक समृद्धि राजमार्ग तक जा सकेंगे।
- फिर समृद्धि हाईवे से होते हुए मुंबई-आगरा हाईवे तक सीधा रास्ता मिल जाएगा। इससे नासिक की ओर यात्रा की जा सकती है।
- इस रूट के कारण शहर के अंदर का ट्रैफिक बंद हो जाएगा और वाहन शहर के बाहर से आवागमन करेंगे। इससे शहर में यातायात में तेजी आएगी और दूसरे शहरों की यात्रा के लिए तेज विकल्प मिलेगा।
- इस सड़क के बनने के बाद बदलापुर से डोंबिवली तक वाहन चालक बिना किसी रुकावट के सीधे मुंबई और नवी मुंबई पहुंच सकेंगे। दूसरे जिलों की ओर जाने वाले हाईवे पर भी यह आसानी से निकल जाएगा।

कटाई ग्राम पंचायत से खतरनाक केमिकल गोदाम को हटाने की मांग

कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी तालुका के अंतर्गत भिवंडी शहर से सटे कटाई ग्राम पंचायत में खतरनाक ज्वलनशील रसायनों के अवैध भंडारण के कारण इन अनधिकृत रासायनिक गोदामों के कारण क्षेत्र में जहरीली दुर्गंध फैल गई है और कटाई ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने शासन से मांग की है कि इन अनधिकृत रासायनिक गोदामों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने शासन से सवाल किया है कि यदि इन रासायनिक गोदामों में आग लगती है तो जिम्मेदार कौन है?

केमिकल माफियाओं का कब्जा

गौरतलब हो कि भिवंडी के रहनाल, पूर्णा, काल्हेर आदि इलाकों में केमिकल गोदामों में आग लगने की घटना के बाद यहां केमिकल गोदामों पर कार्रवाई के बाद केमिकल माफियाओं ने शहर के पास कटाई ग्राम पंचायत की सीमा में अपना ठिकाना बना लिया है। कटाई ग्राम पंचायत क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से केमिकल भंडार का गोदाम होने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल गई है तथा ग्रामीणों ने केमिकल परिवहन करते समय कई बार सड़क पर केमिकल गिरने से नागरिकों के घायल होने की आशंका जताई है। गोदाम में रखा यह केमिकल इतना खतरनाक है कि इस गोदाम में काम करने वाले मजदूरों के हाथ भी केमिकल से कई बार जल जाने की घटनाएं हो चुकी हैं। कटाई ग्राम पंचायत की सरपंच छाया पाटिल सहित ग्रामीण भावेश पाटिल ने चेतावनी दी है कि नागरिकों की जान के लिए खतरा बने इन खतरनाक रसायन गोदामों पर सरकार तुरंत कार्रवाई करे, अन्यथा जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

पेड़ काटने वालों पर कसा मनपा का शिकंजा

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

एक ओर जहां पूरा देश दुनिया पर्यावरण को लेकर चिंतित है कि उन्हें सरक्षण व बढ़ाया कैसे दी जायन वहीं उल्हासनगर में अवैध निर्माणकर्ता बेधकड पेड़ों को काटकर अवैध निर्माण कार्य कर रहे हैं। ऐसे ही उल्हासनगर-2 वाइट हाउस परिसर में एक पीपल के पेड़ को काटने को लेकर मनपा प्रशासन की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस में शिकायत दर्ज

मिली जानकारी के अनुसार, उल्हासनगर - 2 वाइट हाउस परिसर बॅरेक नं 742 में एक व्यक्ती ने उल्हासनगर महानगरपालिका से बिना परमिशन लिए 16 जुलाई 2024 को साढ़े 11 बजे के दरम्यान एक बड़े पीपल के पेड़ काट दिया गया है। पेड़ काफी बड़ा था। इस पेड़ काटने की घटना का सोशल मीडिया पर फ़ोटो वायरल होने के बाद मनपा के बिट मुकादम आप्पा साहब बोरडे ने प्रत्यक्ष मौके पर जाकर जांच की और इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। इसके उपरांत पेड़ काटने का परमिशन पूछा तो परमिशन न होने की जानकारी दी, जिसके बाद बोरडे ने पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

गैंगस्टर अबू सलेम को नासिक रोड सेंट्रल जेल में किया गया शिफ्ट

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

गैंगस्टर अबू सलेम को एटीएस और एसआरपीएफ की सुरक्षा के बीच बेहद गोपनीय तरीके से शुक्रवार को सुबह नासिक रोड सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार, अबू सलेम को नवी मुंबई स्थित तलोजा जेल में रखा गया था, लेकिन जेल प्रशासन को अबू सलेम की बैरक में मरम्मत कार्य करना था। इसलिए जेल प्रशासन ने अबू सलेम को अन्य जेल में शिफ्ट करने का निर्णय लिया था। अबू सलेम ने सुरक्षा का कारण बताते हुए जेल प्रशासन के निर्णय को बाम्बे हाई कोर्ट में चुनौती देकर याचिका दाखिल की थी लेकिन बाम्बे हाई कोर्ट ने सलेम की याचिका खारिज कर दी थी। इससे जेल प्रशासन को अबू सलेम को अन्य जेल में शिफ्ट करने का रास्ता साफ हो गया था। इसी वजह से आज जेल प्रशासन ने एटीएस और एसआरपीएफ जवानों की कड़ी सुरक्षा में अबू सलेम को नासिक सेंट्रल जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

भिवंडी मेट्रो होटल से म्हाडा कॉलोनी रोड के आरसीसी कार्य का शुभारंभ

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

शहर में सड़कों की खराब हालत के कारण भिवंडी पश्चिम के भाजपा विधायक महेश चौघुले के प्रयासों से गुरुवार को वंजारपट्टी नाका के पास मेट्रो होटल से म्हाडा कॉलोनी तक की RCC रोड़ सड़क का भूमि पूजन समारोह और उद्घाटन विधायक महेश चौघुले ने किया गया। इस अवसर पर भाजपा विधायक महेश चौगुले ने पत्रकारों को बताया कि मेट्रो होटल से म्हाडा कॉलोनी तक सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। यहां रोज सुबह थोक सब्जी बाजार लगती है,बरसात में इस सड़क पर पानी भर जाता है। इस थोक सब्जी बाजार से सब्जियां खरीदने के लिए शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग वी सब्जी दुकानदार यहां आते हैं। लेकिन सड़क पर गड्ढे होने के कारण नागरिकों को सब्जी परिवहन में काफी परेशानी उठानी पड़ रही थी। इसीलिए भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेश चौघुले ने नागरिकों की इस समस्या पर ध्यान दिया और इस सड़क के कंक्रीटिंग के लिए 18 करोड़ की निधि मंजूर कराई है। इसी तरह से भंडारी कंपाउंड में भी 9 करोड रुपए की लागत से आरसीसी सीमेंट मार्ग का उद्घाटन विधायक महेश चौघुले के हाथों किया गया।

नौ महीने की बेटी को दागने के आरोप में महिला के खिलाफ मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने नौ महीने की बेटी को कथित तौर पर दागने और उसे प्रताड़ित करने के आरोप में एक महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी महिला भीख मांगती है और भटवाड़ी इलाके में बच्ची के साथ रहती है।

अपनी बेटी को पीटती और प्रताड़ित करती थी महिला

श्रीनगर थाने के पुलिस उपनिरीक्षक नितिन हांगे ने बताया, 'पड़ोसियों के मुताबिक महिला अकसर अपनी बेटी को पीटती और प्रताड़ित करती थी। हाल ही में उसने बच्ची को दागा भी था। पड़ोसियों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को उसके खिलाफ मामला दर्ज किया।' उन्होंने बताया कि घायल बच्ची को ठाणे शहर के पास डोंबिवली के एक बाल देखभाल केंद्र में भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

72 हजार का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

2 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज

राज्य सरकार प्रतिबंध के बावजूद भिवंडी में तस्करी द्वारा दूसरे राज्यों से गुटखा लाकर उसे शहर व आस पास के क्षेत्रों में सप्लाई करने वाले गुटखा माफिया सक्रिय है, जिन पर लगातार कार्रवाई के बावजूद इस पर अंकुश नहीं लग रहा है। पुलिस ने पुनः गुटखा जमाकर रखने वाले दो लोगो के खिलाफ केस दर्ज किया है।जिनके पास से 72 हजार का प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया है।

दोनों फरार आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस के अनुसार, भिवंडी की नारपोली पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि स्थानीय विट्ठलनगर इलाके में रहमत मस्जिद के पास गाला नंबर 6 में प्रतिबंधित गुटखा का भंडारण किया जा रहा है।उक्त सूचना के बाद पुलिस ने 18 जुलाई को उक्त गाले में छापा मारकर राजनिवास पान मसाला, दिलबाग पान मसाला, एसबी तंबाकू, विमल पान मसाला, डीबी वी-1 तंबाकू सहित 72 हजार 52 रुपये का गुटखा पान मसाला बरामद किया है।जिसे विक्री के लिए भंडारण कर रखा गया था।इस मामले में पुलिस सिपाही सचिन देशले की शिकायत पर नारपोली पुलिस ने 19 जुलाई को दो लोगो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।दोनों फरार आरोपियों की तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है।

सहकर्मी की हत्या के लिए प्लम्बर को आजीवन कारावास की सजा

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे शहर की एक अदालत ने 27 वर्षीय एक प्लम्बर को लगभग चार वर्ष पहले अपने सहकर्मी की हत्या के मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रमुख जिला न्यायाधीश एसबी अग्रवाल ने 15 जुलाई के अपने आदेश में सूरज पन्नालाल सरोज पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। इस आदेश की एकप्रति शुक्रवार को उपलब्ध कराई गई।मुकदमे के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक एपी लाडवानजारी ने अदालत को बताया कि सूरज ने कुछ समय के लिए विजय रामूजागीर सरोज नामक एक अन्य प्लंबर के साथ काम किया था। दोनों के बीच 22 अक्टूबर 2020 को उस समय कहासुनी हो गई जब वह ठाणे शहर में एक कार्यस्थल पर विजय के पास काम करने का औजार और कुछ बकाया राशि लेने गया था।

देहव्यापार करने वाली दो महिला सहित तीन लोग गिरफ्तार

दो नाबालिग लड़कियों को बचाया

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट-5 ने सेक्स रैकेट का भंडाभोड़ कर पती-पत्नी और एक अन्य महिला को गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा ने आरोपियों के पास से दो नाबालिग लड़कियों को आज़ाद कराया है। देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में पैसों का लालच देकर मुंबई में इस गंदे व्यापार में नाबालिग लड़कियों को धकेला जा रहा था। इस पर मुंबई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त (क्राइम) दत्ता नलावडे ने बताया कि आरोपियों ने पड़ोस में रहने वाली नाबालिग लड़कियों को पैसे का लालच दे कर उनसे वेश्यावृत्ति का कारोबार कर रही थी। कुर्ला पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है और आगे की जांच शुरू हो गई है। क्राइम ब्रांच यूनिट 5 के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि मुंबई शहर में वेश्यावृत्ति के लिए बड़ी संख्या में नाबालिग लड़कियों की तस्करी की जा रही है।

मुखबिरों से मिली थी सूचना

इसी दौरान मुंबई पुलिस को खबर मिली कि दो लड़कियों को देह व्यापार के लिए कुर्ला इलाके में लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर कुर्ला रेलवे स्टेशन के बाहर जाल बिछाया गया। जब दो महिलाएं और एक पुरुष दो नाबालिग लड़कियों को लेकर रेलवे स्टेशन से बाहर निकले और मुखबिर ने इशारा दिया क्राइम ब्रांच ने उन्हें हिरासत में ले लिया था।

पुलिस ने जाल बिछाकर किया गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि मुंबई में वेश्यावृत्ति के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों से नाबालिग लड़कियों को पैसो का लालच दिया जाता था और मुंबई में लाकर उन्हें बेच दिया जाता था। मुखबिरों से सूचना मिली की कुर्ला में कही से दो नाबालिग लड़कियों को लाया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने अपना जाल बिछाया और रेलवे स्टेशन के बाहर से महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया गया।

मुंबई से कोंकण जाने वालों के लिए गुड न्यूज

गणेशोत्सव पर चलेंगी 7 स्पेशल ट्रेनें

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई से कोंकण रीजन में जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। आगामी गणेशोत्सव को ध्यान में रखते हुए कोंकण रेलवे ने कोंकण के लिए कुल सात विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। इन ट्रेनों का रिजर्वेशन 21 जुलाई सुबह 8 बजे से शुरू होगा। कोंकण रेलवे प्रशासन ने कोंकण जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी व्यवस्था करते हुए यह फैसला लिया है। रेलवे के इस कदम से गणेशोत्सव के दौरान यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे

प्रशासन ने जानकारी दी है कि गणपति स्पेशल ट्रेनों का रिजर्वेशन 21 जुलाई रविवार सुबह 8 बजे से शुरू होगा।

मुंबई सीएसएमटी-सावंतवाड़ी डेली स्पेशल (36 राउंड)- 01151

स्पेशल ट्रेन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई से 01.09.2024 से 18.09.2024 (18 राउंड) तक प्रतिदिन 00:20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 14:20 बजे सावंतवाड़ी पहुंचेगी। 01152 स्पेशल दिनांक 01.09.2024 से 18.09.2024 तक (18 ट्रिप) प्रतिदिन सावंतवाड़ी से 15.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.35 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई पहुंचेगी।

मुंबई सीएसएमटी-रत्नागिरी डेली स्पेशल (कुल 36 राउंड) 01153

स्पेशल छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई से 01.09.2024 से 18.09.2024 (18 राउंड) तक प्रतिदिन सुबह 11:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 20:10 बजे रत्नागिरी पहुंचेगी। 01154 स्पेशल रत्नागिरी से 01.09.2024 से 18.09.2024 तक (18 ट्रिप) प्रतिदिन सुबह 4 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन दोपहर 13:30 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई पहुंचेगी।

एलटीटी-कुडाल डेली स्पेशल (36 राउंड-01167)

यह 01.09.2024 से 18.09.2024 (18 राउंड) तक हर रात 21:00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से प्रस्थान करेगी और अगली सुबह 09:30 बजे कुडाल पहुंचेगी। 01168 स्पेशल 01.09.2024 से 18.09.2024 तक (18 ट्रिप) प्रतिदिन दोपहर 12:00 बजे कुडाल से रवाना होगी और अगले दिन आधी रात 00:40 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई पहुंचेगी।

01171 मुंबई से स्पेशल एलटीटी-सावंतवाड़ी डेली स्पेशल (36 राउंड)

01.09.2024 से 18.09.2024 (18 राउंड) प्रतिदिन सुबह 08:20 बजे और उसी दिन रात 21:00 बजे सावंतवाड़ी से रवाना होगी। 01172 स्पेशल सावंतवाड़ी से 01.09.2024 से 18.09.2024 (18 राउंड) 22:20 बजे तक प्रत्येक रात और अगले दिन सुबह 10:40 बजे एलटीटी मुंबई पहुंचेंगे।

दिवा चिपलून मेमू स्पेशल (कुल 36 फेरे) दिवा से 01155 मेमू स्पेशल

यह 01.09.2024 से 18.09.2024 (18 राउंड) तक प्रतिदिन सुबह 07:15 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन दोपहर 14:00 बजे चिपलून पहुंचेगी। 01156 मेमू स्पेशल चिपलून से 01.09.2024 से 18.09.2024 तक (18 ट्रिप) प्रतिदिन 15:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22:50 बजे दिवा पहुंचेगी।

एलटीटी- कुडाल स्पेशल (16 राउंड)- 01185

लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से 02.09.2024 से 18.09.2024 (8 राउंड) तक यह सोमवार, बुधवार और शनिवार को रात 00:45 बजे रवाना होगी और उसी दिन 12:30 बजे कुडाल पहुंचेगी। 01186 स्पेशल 02.09.2024 से 18.09.2024 तक (18 फेरे) सोमवार, बुधवार और शनिवार को शाम 16:30 बजे कुडाल से रवाना होगी और अगले दिन आधी रात 04:50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई पहुंचेगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से एलटीटी कुदाल स्पेशल (6 सेवाएं) -01165

03.09.2024 से 18.09.2024 (3 राउंड) तक यह मंगलवार को 00:45 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 12:30 बजे कुदाल पहुंचेगी। 01166 स्पेशल 03.09.2024 से 18.09.2024 (3 राउंड) मंगलवार को शाम 16:30 बजे कुदाल से रवाना होगी और अगले दिन आधी रात 04:50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई पहुंचेगी।

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार — हर विफलता बड़ी सफलता की ओर एक कदम है : ग्रेगर मेंडल

मुंबई उपनगरीय जिले के लिए 1088 करोड़ रुपए का प्रावधान

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई उपनगरीय जिले के नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और वर्ष 2024-25 में स्लम क्षेत्रों में सुधार के लिए पर्याप्त उपाय करने के लिए जिला वार्षिक योजना (सामान्य) के तहत कुल 1088.71 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। मुंबई उपनगरीय जिले के पालक मंत्री मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने मुंबई उपनगरीय जिले की जिला योजना समिति की बैठक में यह जानकारी दी।

2024-25 के लिए कुल 337.39 करोड़ का फंड उपलब्ध कराया गया

मंत्री लोढ़ा ने कहा कि योजना विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए कुल 337.39 करोड़ का फंड उपलब्ध कराया गया है। वर्ष 2024-25 में नये कार्यों के लिये 19.90 करोड़ रूपये की राशि को अन्तिम रूप से प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है तथा वर्ष 2023-24 में दिये गये कार्यों की शेष धनराशि (स्पिल ओवर) रूपये 185.56 का वितरण किया गया है करोड़ों. प्राप्त धनराशि का 51 प्रतिशत व्यय किया जा चुका है। खर्च के मामले में मुंबई उपनगर जिला राज्य में पहले स्थान पर है। शहरी गैर-दलित बस्तियों का उन्नयन 574.78 करोड़ रुपये, स्लम निवासियों के पुनर्वास और पुनर्वास योजना के तहत सुरक्षा दीवार निर्माण। 115.00 करोड़, कौशल विकास कार्यक्रम रु. 6.00 करोड़, दलित बस्ती सुधार योजना- रु. 65.48 करोड़, महिला एवं बाल विकास 3 प्रतिशत फंड (12.44 करोड़ रुपये) से चेंबूर में चिल्ड्रन एड सोसाइटी की खाली जमीन पर महिला एवं बाल भवन बनाने का प्रस्ताव है।

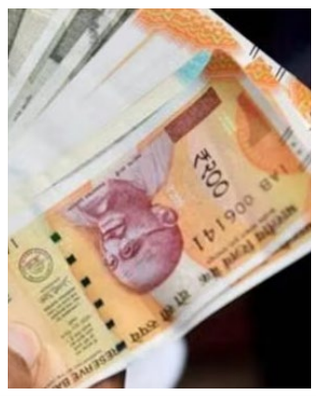

शरद पवार को बड़ी राहत

NCP-SP की शिकायत पर चुनाव आयोग ने 'पिपानी' और 'तुतारी' चुनाव चिह्नों को किया फ्रीज

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य चुनाव आयोग ने एनसीपी शरद पवार गुट को बड़ी राहत दी है। चुनाव आयोग ने राष्ट्रवादी शरद पवार गुट के चुनाव चिह्न 'तुरही वादक' को बरकरार रखा है, जबकि चुनाव आयोग ने 'पिपानी' और 'तुतारी' चुनाव चिह्नों को फ्रीज करने का फैसला किया है। शुक्रवार को एनसीपी (सपा) नेता जयंत पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी पत्र को पढ़ा। राज्य चुनाव आयोग ने एक पत्र जारी कर कहा कि 30 नवंबर, 2019 की अधिसूचना के परिशिष्ट 3 में क्रमांक 172 पर मुक्त प्रतीक 'बिगुल' (पिपानी) और क्रमांक 173 पर 'तुतारी' को फ्रीज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में तुरही बजाता एक आदमी हमारा चुनाव चिह्न था। हमने उद्घोष किया राम कृष्ण हरि, बजाओ तुरही, लेकिन वहां एक तुरही का संकेत था। तो कुछ लोगों ने गलत बातें फैलाईं और हमारा साइन गलत फैलाया गया। इससे कई लोकसभा क्षेत्रों में इसका गलत संदेश गया।

राज्य चुनाव आयोग ने जारी किया आदेश

उन्होंने कहा कि इसके बाद चुनाव आयोग ने 16 जुलाई को एक आदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि पिपानी और तुतारी दो अलग-अलग प्रतीक चिन्ह हैं, जिन्हें फ्रीज किया जा रहा है। ये हमारे लिए राहत की बात है। अब हमें उम्मीद है कि भारत निर्वाचन आयोग भी इस संबंध में उचित निर्णय लेगा। यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि वोटों में गड़बड़ी न हो। इसलिए उन्हें सही निर्णय लेना चाहिए, ऐसा जयंत पाटिल ने कहा। इस बीच एनसीपी के विभाजन के बाद 'घड़ी' चुनाव चिह्न अजित पवार गुट को दे दिया गया था, जबकि 'तुरही वादक' का चुनाव चिह्न शरद पवार की पार्टी एनसीपी को दिया गया है। लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों को 'पिपानी' सिंबल दिया गया। 'तुरही वादक', 'पिपानी' और 'तुतारी' प्रतीक लगभग समान हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं के बीच बहुत भ्रम पैदा हो रहा था।

लोकसभा के दौरान मतदाताओं में असमंजस

निर्दलीय उम्मीदवारों को दिए गए इन सिंबल से एनसीपी शरद पवार गुट को तगड़ा झटका लगा है। इससे कुछ स्थानों पर मत विभाजन हो गया। इसके बाद लोकसभा चुनाव के बाद एनसीपी ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया और चुनाव चिह्न 'पिपानी' पर आपत्ति जताई। अब इस मामले में चुनाव आयोग ने फैसला सुना दिया है और चुनाव चिन्ह 'पिपानी' को फ्रीज कर दिया गया है। जबकि एनसीपी कांग्रेस ने 'तुरही बजाने वाला आदमी' चुनाव चिन्ह बरकरार रखा है। आगामी विधानसभा चुनाव में शरद पवार की पार्टी सिंबल पर ही चुनाव लड़ेगी।

विशालगढ़ में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई पर रोक

बॉम्बे हाई कार्ट ने राज्य सरकार को लगाई फटकार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

विशालगढ़ में हिंसा और अतिक्रमण के मामले में पूरे राज्य में तनाव पैदा कर दिया था। जिसके बाद इस मामले में मुंबई हाई कोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की गई थी। वहीं शुक्रवार को बॉम्बे हाई कार्ट ने मामले की तत्काल सुनवाई करते हुए विशालगढ़ में चल रहे अतिक्रमणविरोधी कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इस मामले को लेकर अदालत ने प्रशासन को जमकर फटकार लगाई है। साथ ही विशालगढ़ पर चल रही कार्रवाई को तत्काल रोकने के निर्देश भी दिए गए है। मामले पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि विशालगढ़ में चल रही कार्रवाई को तुरंत ही रोका जाए। कोर्ट ने यह भी पुछा कि भारी बारिश में विशालगढ़ में चल रहे निर्मान पर हथौड़ा चलाने की क्या जरूरत थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं का यह आरोप गंभीर है कि प्रदर्शनकारियों ने किले की मस्जिद पर हमला किया। साथ ही अदालत ने शाहुवाड़ी पुलिस थाने के मुख्य पुलिस अधिकारी को कोर्ट के समक्ष पेश होने के आदेश दिए है।

सरकार को लगाई फटकार

अदालत में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने विशालगढ़ में हुई बर्बरता का वीडियो भी दिखाया। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से कहा कि वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि शिवभक्त जय श्री राम का नारे लगाते हुए तोड़फोड़ कर रहे है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि वहां के अधिकारी ने भी भीड़ को छूट देकर रखी थी। याचिकाकर्ता का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट ने सवाल किया कि जब विशालगढ़ में तोड़फोढ़ की जा रही थी तब सरकार क्या कर रही थी? कार्ट ने यह भी सवाल किया कि राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी किसकी है?

हिंसक हो गया था अतिक्रमण रोधी अभियान

कोल्हापुर के विशालगढ़ किले पर बीते रविवार को अतिक्रमण रोधी अभियान हिंसक हो गया था। बताया जा रहा कि मराठा शाही वंशज और पूर्व सांसद संभाजीराजे छत्रपति के नेतृत्व में पुणे से आए कुछ दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं को निषेधाज्ञा के मद्देनजर किले के निचले हिस्से में ही रोके जाने के बाद स्थिति बिगड़ गई थी।

'घाटकोपर होर्डिंग हादसा मामले में दायर करें हलफनामा'

बॉम्बे हाईकोर्ट के मुंबई पुलिस को निर्देश

दोपहर संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने घाटकोपर में होर्डिंग गिरने के मामले में गिरफ्तार विज्ञापन कंपनी के निदेशक भावेश भिंडे की याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे पहले ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर ने बॉम्बे हाई कोर्ट याचिका दायर करते हुए खुद को निर्दोष बताया था और जमानत देने की मांग की थी। ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर भावेश भिंडे ने गुरुवार को बंबई उच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की थी। उस याचिका में उसने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने और याचिका पर सुनवाई लंबित रहने तक अंतरिम जमानत देने का अनुरोध करते हुए दावा किया है कि होर्डिंग गिरना "दैवीय घटना" थी। पुलिस ने इस मामले में भिंडे के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

अवैध गिरफ्तारी का आरोप

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा की खंडपीठ ने कहा कि याचिका में अवैध गिरफ्तारी का भी आरोप लगाया गया है, क्योंकि आरोपी को गिरफ्तार करने से पहले दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41ए के तहत अनिवार्य नोटिस नहीं दिया गया। पीठ ने कहा कि पुलिस को इस पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा, क्योंकि कई निर्णयों में कहा गया है कि अवैध तरीके से हिरासत में लिए जाने पर तत्काल रिहाई जरूरी है। सरकारी वकील हितेन वेनेगांवकर ने कहा कि एक विस्तृत हलफनामा दायर किया जाएगा। इसके बाद अदालत ने मामले की सुनवाई 26 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।

घाटकोपर में होर्डिंग हादसे में गई थी 17 लोगों की जान

भिंडे ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं, जिसने शहर के घाटकोपर क्षेत्र में विशालकाय होर्डिंग लगाया था, जो 13 मई को गिर गया था। इस घटना में 17 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से अधिक लोग घायल हुए थे। भिंडे ने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करते हुए दावा किया कि यह दैवीय घटना थी और इसलिए उन्हें इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। भिंडे फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। उसने अपनी याचिका पर सुनवाई होने तक जमानत पर रिहा किए जाने का अनुरोध किया है।

कोर्ट ने निजी स्कूलों को सशर्त छूट देने संबंधी सरकार की अधिसूचना किया खारिज

RTE में संशोधन को बताया असैंवधानिक

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के उस अधिसूचना को शुक्रवार को रद्द कर दिया, जिसमें सरकारी या सहायता प्राप्त स्कूलों के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले निजी स्कूलों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत आरक्षित दाखिले से छूट दी गई थी। हाई कोर्ट ने शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम में महाराष्ट्र सरकार के इस संशोधन को असैंवधानिक करार दिया। सरकार ने नौ फरवरी को जारी आरटीई अधिनियम में संसोधन वाली अधिसूचना जारी की थी। जिस पर मई महीने में कोर्ट ने रोक लगा दी थी। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की बेंच ने कहा कि यह अधिसूचना संविधान के अनुच्छेद 21 और बच्चों को निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 के प्रावधानों के विरुद्ध है। उच्च न्यायालय ने कहा, ''अधिसूचना निरस्त मानी जाए।'' हालांकि, पीठ ने कहा कि मई में अधिसूचना के क्रियान्वयन पर रोक लगाने से पहले कुछ निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों ने छात्रों को प्रवेश दिया था। पीठ ने कहा कि इन दाखिलों में कोई बाधा नहीं डाली जाएगी, लेकिन स्कूलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि आरटीई के तहत 25 प्रतिशत सीट भरी जाएं।

चीन के शंघाई इलेक्ट्रिक ग्रुप पर लगा धोखाधड़ी का आरोप

अनिल अंबानी की आर-इंफ्रा की शिकायत के बाद EOW ने दर्ज की FIR

दोपहर संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने उद्योगपति अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के अधिकारियों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शंघाई इलेक्ट्रिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिसमें चीनी बहुराष्ट्रीय बिजली उत्पादन और विद्युत उपकरण निर्माण कंपनी पर धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाया गया है। ईओडब्ल्यू के एक अधिकारी ने बताया कि, हमने शंघाई इलेक्ट्रिक ग्रुप के अज्ञात अधिकारियों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। आईपीसी की धाराएं इसलिए लगाई गई हैं क्योंकि विचाराधीन कृत्य 2023 में हुए थे, भारत के नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता के 1 जुलाई को लागू होने से पहले का है। वकोला पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के अनुसार, जून 2008 से सितंबर 2020 के बीच शंघाई इलेक्ट्रिक ने मध्य प्रदेश के सासन अल्ट्रा मेगा पावर प्लांट और नागपुर के बुटीबोरी पावर प्लांट के लिए रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के फर्जी गारंटी पत्र कथित तौर पर बनाया था।

जाली हस्ताक्षर किए

कंपनी ने कथित तौर पर आर-इंफ्रा के तत्कालीन उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल के जाली हस्ताक्षर भी किए और सिंगापुर इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर को पत्र प्रस्तुत किया, जहां शंघाई इलेक्ट्रिक का 140 मिलियन डॉलर (1,200 करोड़) का दावा लंबित था।

जाली दस्तावेजों का किया इस्तेमाल

ईओडब्ल्यू अधिकारी ने बताया कि आर-इंफ्रा ने आरोप लगाया कि चीनी कंपनी ने मध्यस्थता कार्यवाही में जाली और मनगढ़ंत दस्तावेजों का इस्तेमाल किया और इस तरह कंपनी को धोखा दिया था। यह शिकायत रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष (वाणिज्यिक) नीरज पारख ने दर्ज कराई थी।

2008 में मध्यप्रदेश के सासन गांव में शुरू हुई थी परियोजना

2008 में रिलायंस इंफ्रा की सहायक कंपनी सासन पावर ने मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के सासन गांव में एक बिजली परियोजना का निर्माण शुरू किया था। एक अन्य सहायक कंपनी विदर्भ इंडस्ट्रीज पावर ने बुटीबोरी बिजली संयंत्र पर काम शुरू किया था। कंपनियों ने उपकरण आपूर्ति, निर्माण और सेवा का ठेका रिलायंस इंफ्रा प्रोजेक्ट्स (यूके) लिमिटेड को दिया था, जिसका बाद में नाम बदलकर एक्सागन एंटरप्राइजेज कर दिया गया। बर्मिंघम मुख्यालय वाली इस कंपनी ने शंघाई इलेक्ट्रिक को काम का उप-ठेका दिया था।

राजनीति — इंडिया गठबंधन पर प्रेशर पॉलिटिक्स या सपा के विस्तार का प्लान

महाराष्ट्र में अखिलेश का पावर शो

मुंबई। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 में से 37 सीटें जीतकर सपा ने राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाई है। सपा के गठन से लेकर अब तक का यह सबसे अच्छा प्रदर्शन है। लोकसभा के भीतर संख्याबल के हिसाब से देश की तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी बनी सपा को अखिलेश यादव अब राष्ट्रीय पहचान यानी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। ऐसे में अखिलेश की नजर महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव पर है, जिसके लिए शुक्रवार को मुंबई में सपा के सांसदों का स्वागत समारोह रखा गया है। उत्तर प्रदेश में सपा से 37 सांसदों का पहला सार्वजनिक स्वागत समारोह मुंबई में होने जा रहा है। इससे पहले अखिलेश यादव अपने परिवार के साथ 12 जुलाई को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल हुए थे। इसके अगले ही दिन 13 जुलाई को मुंबई में उन्होंने सपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की थी। अब सपा सांसदों के मुंबई में स्वागत समारोह के लिए प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने बड़े स्तर पर तैयारी की। यह सिर्फ सपा सांसदों का स्वागत ही नहीं, बल्कि सियासी समीकरण साधने की भी स्ट्रैटेजी थी।

महाराष्ट्र में सपा का PDA फॉर्मूला

उत्तर प्रदेश में सपा सांसदों का मुंबई में स्वागत का कार्यक्रम के साथ-साथ अखिलेश यादव के पीडीए फॉर्मूले को अमलीजामा पहनाने की स्ट्रैटेजी बनाई है। लोकसभा सांसद सबसे पहले मनी भवन जाएंगे, जहां महात्मा गांधी ने समय बिताया था। इसके बाद सभी सपा सांसद चैत्यभूमि जाकर संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि देंगे। साथ ही शिवाजी पार्क मैदान पर छत्रपति शिवाजी का अभिवादन करेंगे और उसके बाद सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन और माहिम दरगाह भी जाने का प्लान रखा गया है। इस तरह सपा न मुंबई से दलित, पिछड़े और मुसलमान को सियासी संदेश देने का प्लान बनाया है। सपा 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए फॉर्मूले से ही जीत दर्ज करने में सफल ही है, जिसके महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उतारने की स्ट्रैटेजी बनाई है। लोकसभा चुनाव नतीजे आने के बाद ही सपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जुट गई थी। अखिलेश ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज को महाराष्ट्र चुनाव का प्रभारी नियुक्त किया था और प्रदेश अध्यक्ष की कमान विधायक अबु आसिम आजमी संभाल रखी है। इंद्रजीत सरोज दलित समाज से आते हैं और वो बसपा से सपा में आए हैं। इस तरह सपा की नजर महाराष्ट्र में मुस्लिम-दलित समीकरण पर बनाने की है। सपा सांसदों का मुंबई में भ्रमण और स्वागत समारोह के बहाने अबु आजमी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा सियासी दांव माना रहा है।

In The Court Of XV Additional District Session Judge, District Court Gwalior
Presiding Officer : राजेश कुमार रावेतकर
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCA/0000121/2021)
मनोज अरोरा......................वादी
Vs
सिमरन अरोरा....................प्रतिवादी
Process Id- 136/2024 पेशी दिनांक- 20/08/2024
प्रेषिती
(1) उषा लुगानी पति श्री सुरेन्द्र लुगानी पता- 522, सेकण्ड फलोर क्रोवर एक्रोपोलिस बेकर के पास, विमान नगर, पुणे, महाराष्ट्र
(2) राजेश अरोरा पिता स्व. श्री हरीलाल अरोरा पता- फलैंट नं. 002 मोर्निंग ग्लोरी एक्रेस्ट ढोकली, नाका कोलसेट रोड, थाणे, महाराष्ट्र
(3) जनकदुलारी पति स्व श्री हरीलाल अरोरा पति- जामदारखाना पिछाडी ड्योढ़ी, लश्कर, ग्वालियर हाल-ए बिल्डिंग सेकण्ड फ्लोर, कंचन वृंदावन सोसायटी, उरली कंचन, जिला पुणे महाराष्ट्र
(4) शोभा धवन पति श्री संत धवन पता- ए बिल्डिंग सेकण्ड फ्लोर कंचन वृंदावन सोसायटी, उरली कंचन, जिला पुणे महाराष्ट्र
यह कि प्रार्थी **मनोज अरोरा** ने आपके विरूद्ध के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के **30 दिवस** के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं। तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावे।
यह आज तारीख 16 July 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
(न्यायालय की मुद्रा)
आर.के. रावतकर
पंद्रहवे जिला न्यायाधीश
जिला- ग्वालियर (म.प्र.)
टिप्पणी:- कृपया ध्यान दें:-
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

संपादकीय

सेहत की कैंटीन

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत धीरे-धीरे मधुमेह, हृदय रोग व मोटापे की राजधानी बनता जा रहा है। देश के हर चार में से एक व्यक्ति मोटापे व प्री-डायबिटिक स्थिति में पहुंच गया है। संकट इसलिए बड़ा है कि किशोर व युवा भी इसके चपेट में आ रहे हैं। रात दिन मोबाइल-लेपटॉप में लगे रहने और शारीरिक श्रम से दूर पीढ़ी के लिए फास्ट फूड खासा घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि कई सर्वेक्षणों के निष्कर्ष व विशेषज्ञों की सिफारिश के बाद देश के विश्वविद्यालयों का नियमन करने वाली राष्ट्रीय संस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेजों को निर्देश दिये हैं कि कॉलेज की कैंटीन में पिज्जा, बर्गर और समोसे जैसे जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाई जाए।। दरअसल, छात्रों में बढ़ते मोटापे और मोटापे से जनित अन्य रोगों की समस्या के मद्देनजर यूजीसी ने कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर तुरंत रोक लगायी जाए। निस्संदेह, नई पीढ़ी में जंक फूड को लेकर खासा क्रेज है, लेकिन युवाओं के स्वास्थ्य को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल के दिनों में युवाओं में मधुमेह, मोटापे व हृदय संबंधी विकार के मामले तेजी से बढ़े हैं। कुछ माह पूर्व आयी आईसीएमआर की रिपोर्ट में भी चिंता जताई गई थी कि देश में तेजी से बढ़ रहे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में वसा की अधिक मात्रा पायी जाती है। जो मोटापा बढ़ने का बड़ा कारण है। जो कालांतर हृदयाघात,डायबिटीज आदि गैर संक्रामक बीमारियों की वजह बनता है। आईसीएमआर ने अच्छे स्वास्थ्य को मानव के मौलिक विशेषाधिकार की संज्ञा दी है। दूसरी ओर मानव पोषण, महामारी विज्ञान, चिकित्सा शिक्षा, बाल रोग व सामुदायिक उपचार आदि के स्वतंत्र विशेषज्ञों के राष्ट्रीय थिंक टैंक एनएपीआई ने भी इसी प्रकार की चिंताएं जतायी हैं। एनएपीआई ने भी शैक्षणिक संस्थानों में अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर तुरंत रोक लगाने की सलाह दी है। साथ ही कैंटीन में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया है। बहरहाल, अब शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधकों व शिक्षकों का दायित्व है कि कालेजों की कैंटीनों में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प उपलब्ध करायें। साथ ही छात्रों को इस दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित करें। निस्संदेह, केवल यूजीसी के निर्देशों से हालात बदलने वाले नहीं हैं। दरअसल, यूजीसी ने इस बाबत पहली बार दिशा-निर्देश नहीं दिये हैं। इससे पहले दस नवंबर 2016 तथा इक्कीस अगस्त 2018 को भी इसी तरह के परामर्श जारी किये गए थे। विडंबना यह है कि युवा पीढ़ी पाश्चात्य खानपान शैली का अंधानुकरण कर रही है। किसी देश का खानपान उस देश की जलवायु तथा रोगों की आनुवंशिकता के आधार पर तय होता है। युवा पीढ़ी मौसमी फल, सब्जियों तथा परंपरागत खाद्य पदार्थों से परहेज कर रही है। सदियों से हमारे खानपान में उन तमाम खाद्य पदार्थों से परहेज किया गया, जो तामसिक प्रवृत्ति के हैं और त्रिदोष को बढ़ावा देने वाले हैं। सही मायने में हमारे खानपान में एसिड बढ़ाने वाले पदार्थों का बोलबाला है। जबकि हमें क्षारीय प्रवृत्ति वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी संतुलन के लिये करना चाहिए। दरअसल, समय के साथ देश में संपन्नता आई है और समृद्ध खानपान की शैली विकसित हुई है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारी जीवन शैली में श्रम की प्रधानता घटी है। श्रमशील व गतिशील व्यक्ति को सब कुछ हजम हो जाता है, लेकिन निष्क्रिय जीवन शैली मोटापे, मधुमेह व हृदय रोगों को बढ़ावा देती है। चिंता की बात यह है कि जो रोग पहले व्यक्ति को पचास साल के बाद होते थे, वे अब किशोरों व युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। हाल ही में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मैगजीन ने खुलासा किया था कि कैसे भारत में पचास फीसदी लोग सप्ताह में जरूरी व्यायाम व सैर तक नहीं करते। निश्चित रूप से यह एक राष्ट्रीय संकट का प्रश्न है। जिसके चलते आने वाले दिनों में देश गैर संक्रामक रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। शिक्षकों के साथ अभिभावकों को भी छात्रों को स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक करना होगा।

आरक्षण की आग में झुलसता बांग्लादेश

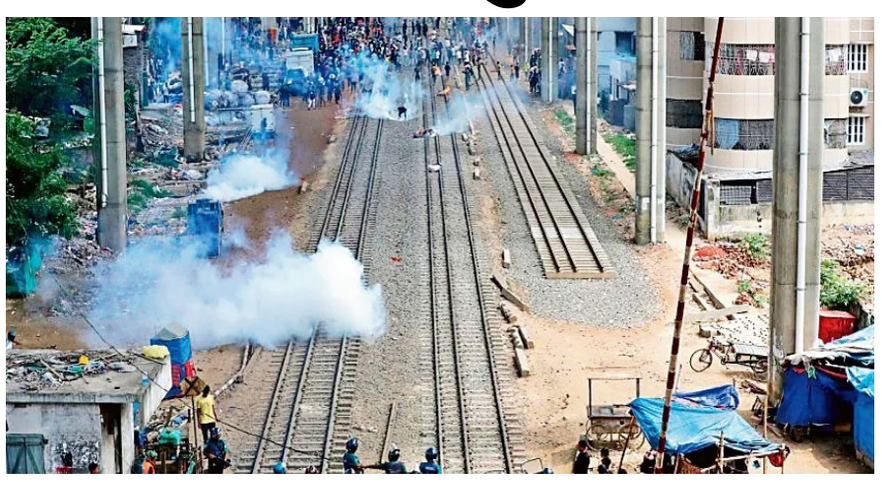

पुष्परंजन

ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट खोलते ही एक सूचना सामने आ जाती है, 'सारे वीज़ा अप्लीकेंट नोट कर लें, आज 18 जुलाई को हमारा 'आईवीएसी सेंटर' बंद है।' गुरुवार को सारे दूतावास और वाणिज्यदूत कार्यालय बंद ही रहे। इन देशों ने अपने नागरिकों को सावधान रहने, और फ़िलहाल बांग्लादेश नहीं आने की सलाह दे रखी है। कल 18 जुलाई को देशव्यापी बंद काफी हिंसक रहा है। ढाका उत्तर में पुलिस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई है। मीरपुर में एक छात्र और आवामी लीग का एक कार्यकर्ता मारा गया। देशव्यापी हिंसा में जिस पैमाने पर लोग घायल हुए हैं, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। बांग्लादेश टेलीविज़न सेंटर को आग के हवाले कर दिया गया। छात्रों के दो समूहों के बीच देशव्यापी दंगा यदि आपने सुना, और देखा नहीं होगा, तो बांग्लादेश सबसे बड़ा उदाहरण है। पूरे देश में गुरुवार को रेल और सड़क परिवहन सेवाओं को एहतियातन बंद कर दिया गया था। कोटा विरोधी प्रदर्शनकारियों ने ढाका के मोहाखाली में रेलवे लाइन को अवरुद्ध कर दिया था। देश के दूसरे हिस्से में भी रेल सेवा सुरक्षित नहीं दिखी। फार्मगेट इलाके में मेट्रोरेल पर हमला कर आगजनी की गई। काफी नुकसान के बाद हसीना सरकार ने हठ योग तोड़ा है। कानून मंत्री अनिसुल हक ने कहा कि मैं और शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी, कोटा सुधार प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत के लिए कभी भी तैयार हैं। सरकार कोटा सुधार के खिलाफ नहीं है, हमने जस्टिस खंडेकर दिलीरुज्जमां की अध्यक्षता में न्यायिक समिति का गठन भी कर दिया है। 18 दिनों से चल रहे आंदोलन में 'ऑफ़ द रिकार्ड' 50 लोगों के मरने का अनुमान लगाया गया है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) को चार जिलों ढाका, बोगरा, राजशाही और चटगांव में तैनात किया गया था। चटगांव, राजशाही, रंगपुर, बोगरा, मैमनसिंह समेत कई जगहों पर बड़े पैमाने पर झड़पें हुई हैं। चटगांव के शोलशहर और मुरादपुर में संस्कार, छात्र लीग और जुबो लीग के बीच हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई। हिंसक प्रदर्शनों की चपेट में केवल छात्र ही नहीं, राहगीर और कारोबारी भी आ रहे हैं। 'छात्र लीग', सत्तारूढ़ आवामी लीग की छात्र शाखा है, जिसकी स्थापना 4 जनवरी, 1948 को शेख मुजीबुर्रहमान ने की थी, तब उसका नाम, 'ईस्ट पाकिस्तान स्टूडेंट लीग' था। उसे काउंटर करने के वास्ते 'बांग्लादेश जातीयतावादी छात्र दल' (जेसीडी) सड़कों पर दिखता है, जिसकी स्थापना, 1 जनवरी 1979 को बीएनपी के तत्कालीन नेता जनरल ज़ियाउर्रहमान ने की थी। जमाते इस्लामी की छात्र शाखा, 'बांग्लादेश इस्लामी छात्र शिबिर' समय-समय पर इनके साथ खड़ी दिखती है। छात्र आंदोलनकारियों के बहाने क्या खालिदा जिया की बीएनपी को अपना खोया जनाधार मिलेगा? विश्लेषक इसका उत्तर ढूंढ़ रहे हैं। बांग्लादेश के क़ानून मंत्री अनिसुल हक़ बोलते हैं, 'विपक्षी जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र विंग के सदस्य, आरक्षण विरोधी आंदोलन में कूद गए हैं। ये यही लोग हैं जिन्होंने हिंसा की शुरुआत की है। कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होनी है। छात्रों को भी मौक़ा दिया गया है कि वो कोर्ट के सामने अपनी दलील रख सकें।' सवाल यह है कि जब देशव्यापी आग लगी हो, तो सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर तत्काल सुनवाई क्यों नहीं कर सकती?

छात्र आंदोलन की आग में घी का काम शेख़ हसीना के हालिया बयान ने भी किया है। शेख़ हसीना ने आरक्षण का विरोध करने वालों के लिए 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल किया था। 'रज़ाकार' शब्द का इस्तेमाल कथित तौर पर उन लोगों के लिए क्या जाता है, जिन्होंने 1971 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। कई छात्र नेताओं का कहना है कि शेख़ हसीना ने 'रजाकार' से तुलना कर हमारा अपमान किया है।

बांग्लादेश में आरक्षण की व्यवस्था मुक्ति संग्राम के बाद शुरू हुई। 5 सितंबर, 1972 को एक सरकारी आदेश में सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति में 20 प्रतिशत योग्यता कोटा, 30 प्रतिशत स्वतंत्रता सेनानी कोटा, और 10 प्रतिशत पीड़ित महिला कोटा की शुरुआत की गई। शेष 40 प्रतिशत जिला कोटा रखा गया। 1976 में योग्यता के आधार पर भर्ती को बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया। 1985 में प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी पदों के लिए 45 प्रतिशत योग्यता आधारित भर्ती नियम लागू किया गया, शेष 55 प्रतिशत कोटे से नियुक्त किये जाते हैं। बाद में दिव्यांगों के लिए 1 फीसदी जोड़ने पर कुल कोटा 56 फीसदी हो जाता है।

यानी हर 100 पदों पर 56 प्रतिशत लोगों को कोटे से लिया गया। संभवतः दुनिया के किसी भी देश में स्वंत्रतता सेनानियों के बेटे-बेटियों, पोते-पोतियों को आरक्षण देने की सुविधा नहीं है। यह असामान्य और अनोखी व्यवस्था है, जिस पर बांग्लादेश में शुरू में कभी सवाल नहीं उठाया गया था। मुक्तियुद्ध मामलों के मंत्री मुज़म्मिल हक़ ने 25 मार्च, 2021 को 1 लाख 47 हज़ार, 537 स्वतंत्रता सेनानियों की सूची जारी की थी। इनमें से लगभग 50 हज़ार की इंट्री संदेहास्पद बताई जाती है। मुक्तिकामियों की तीन पीढ़ियों ने इन सुविधाओं का लाभ उठाया, अब चौथी और पांचवीं पीढ़ी को यही सुविधा देने की कवायद के पीछे शेख़ हसीना का वोट बैंक है। हसीना इसे स्थायी और भविष्य के लिए समर्पित देखना चाहती हैं। दरअसल, छात्र आंदोलन के दावानल को देखते हुए सत्तारूढ़ अवामी लीग को अपना सिंहासन डोलता नज़र आने लगा है।

आवामी लीग महासचिव ओबैदुल क़ादर ने कहा भी, 'हमारे अस्तित्व पर हमला किया गया है, हमें धमकी दी गई है। हमें इस स्थिति से निपटना होगा। कार्यकर्ता वार्ड दर वार्ड तैयार हो जाएं।'

सहज योग

सब में एक ही तत्व है

क्या आपको पता है आपका पास्ट क्या था? तो अपना जो गत है, जो भूत है, जो पास्ट है, उसका भी अगर सत्य आप देख ले, उसका भी अगर आप मत्यर्थ देख ले, उसका भी अगर आप तत्त्व ये पहचान ले, तो आप उसको भी बिल्कुल समझ सकते हैं कि ये सब बकवास है।

जब आप अनेक जन्मों में विश्वास करते हैं, तो आप ये किस प्रकार कह सकते हैं, कि आज आप ब्राह्मण हैं तो कल आप चांभार भी हो सकते हैं। और हो सकता है कि आप मुसलमान से आज आ कर के, यहां ब्राह्मण बने बैठे हैं। क्या आपको पता है आपका पास्ट क्या था? तो अपना जो गत है, जो भूत है, जो पास्ट है, उसका भी अगर सत्य आप देख ले, उसका भी अगर आप मत्यर्थ देख ले, उसका भी अगर आप तत्त्व ये पहचान ले, तो आप उसको भी बिल्कुल समझ सकते हैं कि ये सब बकवास है। याने आप देख सकते हैं कि मैंने, मिट्टी कहां से इकट्ठी की है, मूर्खता की। एक जनम में तो मैं मुसलमान था, एक जनम में मैं राजा था, एक जनम में मैं भिखारी हूं। ये मिट्टी मैंने मूर्खता की कैसे इकट्ठी की है। उसके तत्त्व को देखना चाहिए और उसका तत्व महाकाली का है। उसका तत्व महाकाली का है, अगर उसको आपने समझ लिया कि ये जो कुछ भी हमारा पास्ट है, ये हमारी बेवकूफ़ी के कारण वहां जमा है। 'मैं इसकी लड़की, मैं शिवाजी महाराज की फलानी, ठिकानी।' होगी, कौन शिवाजी महाराज? कहां हैं वो? है मेरे सामने तो पूछो। वो कहां और आप कहां! वो आयेंगे तो घोड़े पे आयेंगे। हम यहां के ब्राह्मण आए हैं, हम वहां के वो आये हुये हैं। पोपसाहब, हम फलाने आये हुए हैं। ये सब मिसआयडेंटिफिकेशन इस जनम के बहुत सारे हैं। ये भी एक तरह से पास्ट ही हैं क्योंकि इस मूवमेंट में तो नहीं है। इस समय तो नहीं है। इस समय ये आयडेंटिफिकेशन। इस समय में आप क्या है? एक ही तत्व हैं कि आप सब मेरे बेटे हैं। इसके सिवाय और कोई सत्य नहीं। सबको मैंने अपने सहस्रार से जन्म दिया है। इसके अलावा दूसरा कोई भी सत्य नहीं। यही एक सब से बड़ा महान सत्य है। इसे शिरोधार्य करें। जो इसको नहीं शिरोधार्य करता वो कभी भी सहजयोगी ऊंचा उठ नहीं सकता है। वो दूसरों को हमेशा खींचता रहेगा। अपनी निगेटिविटी से दूसरों को खींचता रहेगा। वो अपने को बहुत अकलमंद समझें, कुछ भी समझें लेकिन उसको जानना चाहिए कि न तो वो खुद उठ रहा है न तो वो दूसरों को उठने देगा। आप सब एक ही मां के बेटे हैं और सब युनाइटेड हैं। इतना ही नहीं एक ही शरीर के अन्दर पनपने वाले आप महत्त्वपूर्ण चक्र हैं। ये आप जानते हैं कि नहीं जानते! विराट के अन्दर अनेक छोटे छोटे सेल्स हैं। अनेक छोटी छोटी पेशियां हैं। उसमें से आप जागृत पेशियां हैं। आप जागृत हैं। आप में से कोई वो पेशियां हैं जो हृदय में है। कुछ हैं वो ब्रेन में हैं। कुछ हैं वो उसके लंग्ज में हैं। कुछ हैं वो उसके पेट में हैं। जो जो जागृत ऑटोनॉमस काम हैं, उसके अन्दर की पेशियां आप लोग हैं।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

ग्रेगर मेंडल : जन्म- 20 जुलाई, 1822

जन्म

हर विफलता बड़ी सफलता की ओर एक कदम है

ग्रेगर मेंडल एक ऑस्ट्रियाई भिक्षु थे जिन्होंने मटर के पौधों का उपयोग करके अध्ययन किया कि माता-पिता से संतानों में गुण कैसे स्थानांतरित होते हैं। उनके प्रयोगों से बुनियादी आनुवंशिक सिद्धांतों की खोज हुई। हालाँकि उनके काम को उनके जीवनकाल में व्यापक रूप से मान्यता नहीं मिली, लेकिन यह आनुवंशिकी के विज्ञान के लिए मौलिक बन गया। ग्रेगर मेंडल का जन्म 20 जुलाई 1822 को हुआ था और उनकी मृत्यु 6 जनवरी 1884 को हुई थी।

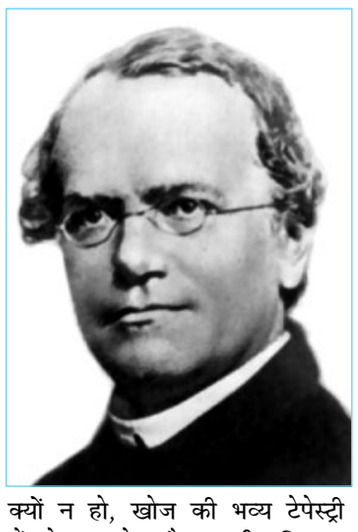

खोज की यात्रा जिज्ञासा और समर्पण से शुरू होती है। छोटे से छोटा प्रयोग भी क्रांतिकारी खोजों की ओर ले जा सकता है। शोध में दृढ़ता प्रकृति के छिपे हुए सत्य को उजागर करती है। सावधानीपूर्वक अवलोकन के माध्यम से, हम जीवन के रहस्यों को उजागर करते हैं। विज्ञान में हर चुनौती सीखने और बढ़ने का अवसर है। महान खोज अज्ञात को समझने के जुनून से पैदा होती हैं। सच्चा नवाचार अज्ञात क्षेत्रों की खोज करने के साहस से आता है। विज्ञान में, हर विफलता बड़ी सफलता की ओर एक कदम है। ज्ञान की खोज एक यात्रा है, न कि एक मंजिल। धैर्य और दृढ़ता के साथ, हम ब्रह्मांड के रहस्यों को उजागर कर सकते हैं। प्रत्येक प्रयोग, चाहे कितना भी छोटा क्यों न हो, खोज की भव्य टेपेस्ट्री में योगदान देता है। अपनी दृष्टि पर विश्वास करें, और दुनिया अंततः इसका मूल्य देखेगी। जिज्ञासा के बीज, एक बार बोए जाने के बाद, समझ के पेड़ बन जाते हैं। अपने काम के प्रति समर्पण साधारण को असाधारण में बदल सकता है। विज्ञान के क्षेत्र में, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ हम जो कुछ भी हासिल कर सकते हैं, उसकी कोई सीमा नहीं है। आपका योगदान, चाहे कितना भी मामूली क्यों न हो, भविष्य की सफलताओं का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। महान दिमाग अक्सर वे होते हैं जो वर्तमान से परे खोज के भविष्य को देखते हैं। विज्ञान का सार उन उत्तरों की तलाश करना है जहाँ अन्य लोग केवल प्रश्न देखते हैं। अनुसंधान में सफलता अथक अन्वेषण की नींव पर बनी है। खोज के प्रति अपने जुनून को अपना मार्गदर्शक बनने दें, और दुनिया आपके निष्कर्षों से समृद्ध होगी।

प्रेरक प्रसंग

बचत का महत्व

एक बार प्रसिद्ध लेखक जान मुरे अपने लिखने के कार्य में व्यस्त थे। तभी दो महिलाएं जन-कल्याण से संस्था के लिए उनसे चंदा मांगने आई। अपना लेखन कार्य बीच में छोड़ने के बाद जान मुरे ने वहां जल रही दो मोमबत्तियों में से एक को बुझा दिया।

यह देखकर उनमें से एक महिला

बुदबुदाई, "यहां कुछ मिलने वाला नहीं है।" जान मुरे को जब उन महिलाओं के आने के उद्देश्य का पता चला, तो उन्होंने खुशी-खुशी से 100 डॉलर उन्हें दे दिए।

महिलाओं के आश्चर्य का ठिकाना न रहा, उनमें से एक बोली-"हमें तो आपसे एक सेंट भी पाने की उम्मीद नहीं थी, क्योंकि आपने हमारे आते ही एक मोमबत्ती बुझा दी थी।" जान मुरे ने उत्तर दिया, "अपनी इसी बचत की आदत के कारण ही मैं आपको 100 डॉलर देने में समर्थ हुआ हूं। मेरे विचार से आपसे बातचीत करने के लिए एक मोमबत्ती का प्रकाश ही काफी है।" महिलाएं बचत के महत्व को समझ चुकी थीं। महिलाएं तो बचत के महत्व को समझ गईं, लेकिन आप कब समझेंगे? जल्दी समझिए वरना देर हो जाएगी और फिर पछताने से कुछ नहीं होता जब चिड़िया खेत चुग जाती है।

शख्सियत

नसीरुद्दीन शाह

पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित दिग्गज अभिनेता

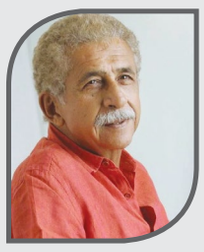

नसीरुद्दीन शाह एक भारतीय फिल्म और मंच अभिनेता और निर्देशक हैं, और भारतीय समानांतर सिनेमा में एक प्रमुख व्यक्ति हैं। शाह ने अपने करियर में कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, तीन फिल्मफेयर पुरस्कार और वेनिस फिल्म महोत्सव में एक पुरस्कार शामिल है। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री और पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया है।

नसीरुद्दीन शाह का जन्म 20 जुलाई 1950 को उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गाँव बाराबंकी में हुआ था। वह एक अनुभवी बॉलीवुड अभिनेता हैं और उन्हें कई फिल्मों में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार मिले हैं। अभिनेता को भारतीय सिनेमा में उनके विशाल योगदान के लिए पद्म श्री और पद्म भूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। शाह का जन्म एक नवाब परिवार में हुआ था। उन्होंने राजस्थान के सेंट एंसलम्स अजमेर स्कूल और नैनीताल के सेंट जोसेफ कॉलेज से पढ़ाई की। उन्होंने 1971 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली में भी पढ़ाई की। उन्होंने अपनी फिल्मों हम पांच (1980) और मासूम (1983) से लोकप्रियता हासिल करना शुरू कर दिया, जिनकी शूटिंग सेंट जोसेफ कॉलेज, नैनीताल में की गई थी, जहां शाह ने बचपन में पढ़ाई की थी। कर्मा (1986) नामक एक और फिल्म, जिसमें उन्होंने दिलीप कुमार के साथ अभिनय किया, को बहुत प्रशंसा मिली। शाह द लीग ऑफ एक्स्ट्राऑर्डिनरी जेंटलमेन (2003) के हॉलीवुड रूपांतरण जैसी अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं का भी हिस्सा रहे हैं। फिल्म में उन्होंने कैप्टन निमो का किरदार निभाया, जिससे उन्हें काफी सराहना मिली। शाह ने कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, तीन फिल्मफेयर पुरस्कार, एक आईफा पुरस्कार और दो बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें 1984 में वेनिस फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का वोल्पी कप भी मिला।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

विपत्ति काल में भगवान पर रखें भरोसा

(भाग 1)

एक व्यापारी जितना अमीर था उतना ही दान-पुण्य करने वाला, वह सदैव यज्ञ-पूजा आदि कराता रहता था।एक यज्ञ में उसने अपना सबकुछ दान कर दिया। अब उसके पास परिवार चलाने लायक भी पैसे नहीं बचे थे। व्यापारी की पत्नी ने सुझाव दिया कि पड़ोस के नगर में एक बड़े सेठ रहते हैं। वह दूसरों के पुण्य खरीदते हैं। आप उनके पास जाइए और अपने कुछ पुण्य बेचकर थोड़े पैसे ले आइए, जिससे फिर से काम-धंधा शुरू हो सके।

पुण्य बेचने की व्यापारी की बिलकुल इच्छा नहीं थी, लेकिन पत्नी के दबाव और बच्चों की चिंता में वह पुण्य बेचने को तैयार हुआ।

पत्नी ने रास्ते में खाने के लिए चार रोटियां बनाकर दे दीं। व्यापारी चलता-चलता उस नगर के पास पहुंचा जहां पुण्य के खरीदार सेठ रहते थे। उसे भूख लगी थी।

नगर में प्रवेश करने से पहले उसने

सोचा भोजन कर लिया जाए। उसने जैसे ही रोटियां निकालीं एक कुतिया तुरंत के जन्मे अपने तीन बच्चों के साथ आ खड़ी हुई। .कुतिया ने बच्चे जंगल में जन्म दिए थे। बारिश के दिन थे और बच्चे छोटे थे, इसलिए वह उन्हें छोड़कर नगर में नहीं जा सकती थी। व्यापारी को दया आ गई। उसने एक रोटी कुतिया को खाने के लिए दे दिया। कुतिया पलक झपकते रोटी चट कर गई लेकिन वह अब भी भूख से हांफ रही थी। व्यापारी ने दूसरी रोटी, फिर तीसरी और फिर चारो रोटियां कुतिया को खिला दीं। खुद केवल पानी पीकर सेठ के पास पहुंचा।

व्यापारी ने सेठ से कहा कि वह अपना पुण्य बेचने आया है। सेठ व्यस्त था। उसने कहा कि शाम को आओ। दोपहर में सेठ भोजन के लिए घर गया और उसने अपनी पत्नी को बताया कि एक व्यापारी अपने पुण्य बेचने आया है। उसका कौन सा पुण्य खरीदूं।

सेठ की पत्नी बहुत पतिव्रता और सिद्ध थी। उसने ध्यान लगाकर देख लिया कि आज व्यापारी ने कुतिया को रोटी खिलाई है।

उसने अपने पति से कहा कि उसका आज का पुण्य खरीदना जो उसने एक जानवर को रोटी खिलाकर कमाया है। वह उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ पुण्य है

व्यापारी शाम को फिर अपना पुण्य बेचने आया। सेठ ने कहा- आज आपने जो यज्ञ किया है मैं उसका पुण्य लेना चाहता हूं। व्यापारी हंसने लगा। उसने कहा कि अगर मेरे पास यज्ञ के लिए पैसे होते तो क्या मैं आपके पास पुण्य बेचने आता ! सेठ ने कहा कि आज आपने किसी भूखे जानवर को भोजन कराकर उसके और उसके बच्चों के प्राणों की रक्षा की है। मुझे वही पुण्य चाहिए। (क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

चाँद और तारे

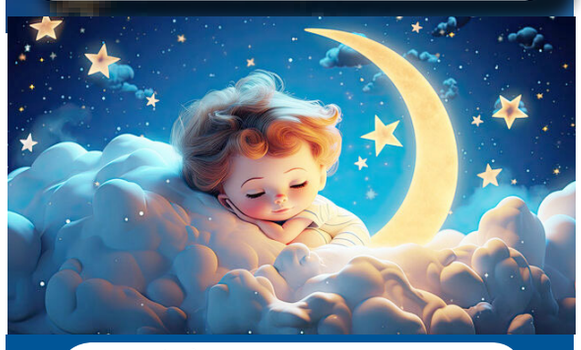

चाँद ने चमकाया, रात का आसमान,
तारों की झिलमिल, जैसे कोई गहना हो प्राण।
चाँद हंसते हुए, चमक रहा है छत पर,
तारों का मेला, सजा है इस समय धरती पर।
सपनों की दुनिया, चाँद के पास छुपी,
हर तारे के संग, एक कहानी गुप्त है छुपी।
चाँद कहे हंसकर, "सपने सजाओ,
तारों के संग मिलकर, उन्हें साकार बनाओ।"
रात की चाँदनी, लोरी गाए मधुर,
सपनों में खो जाओ, हो जाओ बहादुर।
सपनों की राह में, चाँद है साथी प्यारा,
तारों की चमक, दिल में बसा है उजियारा।
रात की चाँदनी में, सजे हैं ये तारे,
खुश रहो हमेशा, ये है शुभकामनाएं हमारी।

ग्रह और सौर मंडल की रहस्यमयी दुनिया

हमारा सौर मंडल अंतरिक्ष में एक बड़े परिवार की तरह है। इस परिवार के केंद्र में सूर्य है, जो गर्म, चमकती गैस का एक विशाल गोला है। सूर्य हमें रोशनी और गर्मी देता है, और सभी ग्रह इसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं। आइए हमारे सौर मंडल के ग्रहों के बारे में जानें!

सूर्य

सूर्य कोई ग्रह नहीं है; यह एक तारा है। यह बहुत बड़ा और बहुत गर्म है। सूर्य के बिना, पृथ्वी पर कोई जीवन नहीं होगा। सूर्य का गुरुत्वाकर्षण सभी ग्रहों को उनकी कक्षाओं में रखता है।

ग्रह

हमारे सौर मंडल में आठ ग्रह हैं। हर एक अनोखा है!

बुध

बुध सूर्य के सबसे निकट का ग्रह है। यह दिन में बहुत गर्म और रात में बहुत ठंडा होता है। यह हमारे सौर मंडल का सबसे छोटा ग्रह भी है।

शुक्र

शुक्र सूर्य से दूसरा ग्रह है। यह घने बादलों से ढका हुआ है जो गर्मी को फंसाते हैं, जिससे यह सबसे गर्म ग्रह बन जाता है। कभी-कभी इसे पृथ्वी की बहन कहा जाता है क्योंकि यह पृथ्वी के लगभग बराबर आकार का है।

पृथ्वी

पृथ्वी हमारा घर है और सूर्य से तीसरा ग्रह है। यह एकमात्र ऐसा ग्रह है जिसके बारे में हम जानते हैं कि उस पर जीवन है। इसमें पानी, हवा और वह सब कुछ है जो हमें जीने के लिए चाहिए।

मंगल

मंगल सूर्य से चौथा ग्रह है। इसे अपने लाल रंग के कारण लाल ग्रह के रूप में जाना जाता है। वैज्ञानिक मंगल में बहुत रुचि रखते हैं और रोबोट के साथ इसका अन्वेषण कर रहे हैं।

बृहस्पति

बृहस्पति हमारे सौर मंडल का पांचवां और सबसे बड़ा ग्रह है। यह इतना बड़ा है कि सभी अन्य ग्रह इसके अंदर समा सकते हैं! बृहस्पति पर एक बड़ा लाल धब्बा है, जो एक बहुत बड़ा तूफान है।

शनि

शनि सूर्य से छठा ग्रह है और अपने खूबसूरत छल्लों के लिए प्रसिद्ध है। ये छल्ले बर्फ और चट्टान से बने हैं। शनि भी बहुत बड़ा है, लेकिन यह बृहस्पति जितना भारी नहीं है।

यूरेनस

यूरेनस सातवां ग्रह है। यह अनोखा है क्योंकि यह अपनी तरफ घूमता है। यूरेनस बहुत ठंडा है और इसके वायुमंडल में गैस के कारण इसका रंग नीला है।

नेपच्यून

नेपच्यून सूर्य से आठवां और सबसे दूर का ग्रह है। यह बहुत ठंडा और हवादार है। नेपच्यून भी नीला है, और इसमें बृहस्पति की तरह तूफान आते हैं।

बौने ग्रह

हमारे सौर मंडल में बौने ग्रह भी हैं। प्लूटो सबसे प्रसिद्ध है। बौने ग्रह सामान्य ग्रहों से छोटे होते हैं लेकिन फिर भी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।

बहादुर गिलहरी

एक बार की बात है, ऊंचे पेड़ों और रंग-बिरंगे फूलों से भरे एक बड़े जंगल में नट्टी नाम की एक गिलहरी रहती थी। नट्टी बहुत छोटा था लेकिन बहुत जिज्ञासु था। उसे जंगल की खोज करना और नई चीजें खोजना बहुत पसंद था।

एक धूप वाले दिन, जब नट्टी बलूत के फल ढूंढ़ रहा था, तो उसने झाड़ियों में सरसराहट की आवाज़ सुनी। उसने पत्तियों के बीच से झांका और एक शिशु पक्षी को देखा जो अपने घोंसले से गिर गया था। शिशु पक्षी डरा हुआ लग रहा था और जोर-जोर से चहक रहा था।

नट्टी मदद करना चाहता था, लेकिन वह थोड़ा डरा हुआ था। घोंसला पेड़ पर बहुत ऊपर था। नट्टी ने इधर-उधर देखा और पाया कि बाकी सभी जानवर अपने-अपने कामों में व्यस्त थे। उसे पता था कि उसे बहादुर बनना होगा।

नट्टी ने खुद से कहा, ₹मैं यह कर सकता हूं।₹ उसने गहरी साँस ली और पेड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया। उसके छोटे-छोटे पंजे छाल को कसकर पकड़ रहे थे और वह ऊपर और ऊपर चढ़ रहा था। पेड़ बहुत ऊँचा था और हवा उसे हिला रही थी, लेकिन नट्टी आगे बढ़ता रहा।

जब वह आखिरकार घोंसले तक पहुंचा, तो नट्टी ने ध्यान से शिशु पक्षी को वापस अंदर रख दिया। नन्हे पक्षी की माँ, जो अपने बच्चे की तलाश कर रही थी, ने नट्टी के दयालु कार्य को देखा और खुशी से चहक उठी। वह उड़कर नीचे आई और नट्टी को उसकी बहादुरी के लिए धन्यवाद दिया।

जंगल के सभी जानवरों ने नट्टी के बहादुरी भरे काम के बारे में सुना। बुद्धिमान बूढ़े उल्लू ने कहा, ₹नट्टी, तुम छोटे हो लेकिन बहुत बहादुर हो। तुमने हमें दिखाया कि सबसे छोटे जीव भी महान काम कर सकते हैं।

उस दिन से, नट्टी को जंगल में सबसे बहादुर गिलहरी के रूप में जाना जाने लगा। वह जब भी संभव हो खोजबीन करता और दूसरों की मदद करता रहा। और जब भी उसे डर लगता, तो वह उस दिन को याद करता जब वह ऊंचे पेड़ पर चढ़कर उस नन्हे पक्षी को बचाता था।

नट्टी की कहानी पूरे जंगल में फैल गई, जिसने सभी को याद दिलाया कि साहस का मतलब सबसे बड़ा या सबसे मजबूत होना नहीं है। इसका मतलब है सही काम करना, भले ही आप डरे हुए हों।

सीख- छोटा व्यक्ति भी साहसी हो सकता है और बदलाव ला सकता है।

कौआ और उल्लू की दुश्मनी

बहुत समय पहले किसी घने जंगल में पक्षियों की सभा लगा करती थी। जानवर अपनी परेशानी राजा को बताते थे और राजा उसका हल निकालते थे, लेकिन एक जंगल ऐसा भी था, जिसका राजा गरुड़ सिर्फ भगवान विष्णु की भक्ति में लीन रहता था। इससे परेशान होकर हंस, तोता, कोयल व कबूतर जैसे तमाम पक्षियों ने एक आम सभा बुलाई।

सभा में सभी पक्षियों ने एक स्वर में कहा कि हमारे राजा गरुड़ हमारी ओर ध्यान ही नहीं देते, तभी मोर ने कहा कि हमें अपनी परेशानियों को लेकर विष्णु लोक जाना पड़ता है। सभी जानवरों की दुर्गति हो रही है, लेकिन हमारे राजा को कोई फर्क नहीं पड़ता। उसी वक्त हुदहुद चिड़िया ने एक नया राजा बनाने का प्रस्ताव रखा। कोयल ने कुहू कुहू और मुर्गे ने कुकड़ुकु की आवाज निकालकर इसका समर्थन किया। इस तरह घंटों चली सभा में परेशान पक्षियों ने आम सहमति से एक नया राजा चुनने का फैसला लिया।

अब राजा को चुनने के लिए रोज बैठक होने लगी। कई दिनों तक चर्चा करने के बाद सभी ने आपसी सहमति से उल्लू को राजा चुन लिया। नए राजा का चुनाव होते ही सभी पक्षी उल्लू के राज्य अभिषेक की तैयारियों में जुट गए। तमाम तीर्थ स्थलों से पवित्र जल मंगवाया गया और राजा के सिंहासन को मोतियों से जड़ने का कार्य तेजी से होने लगा।

सारी तैयारियां होने के बाद उल्लू के राज्यभिषेक का दिन आया। मुकट, माला सब सामान तैयार था। तोते मंत्र पढ़ रहे थे, तभी दो तोतों ने राज्यभिषेक से पहले उल्लू से लक्ष्मी मंदिर जाकर पूजन करने को कहा। उल्लू फौरन तैयार हो गया और दोनों तोतों के साथ पूजा के लिए उड़ गया। उसी समय इतनी तैयारियां और सजावट देखकर कौआ आ गया। कौए ने पूछा, 'अरें! इतनी तैयारियां किस खुशी में, उत्सव क्यों मनाया जा रहा?' इस पर मोर ने कौए से कहा 'हमने जंगल का नया राजा चुना है। आज उनका राज्यभिषेक होना है, उसी के लिए ये सब सजावट की गई है।' इतना सुनते ही गुस्से से लाल कौए ने कहा 'ये फैसला लेते समय मुझे क्यों नहीं बुलाया गया। मैं भी तो एक पक्षी हूं।' इस बात का जवाब तुरंत मोर ने देते हुए कहा 'यह फैसला जंगली पक्षियों की सभा में लिया गया था। अब तुम तो बहुत दूर इंसानों के शहर और गांव में जाकर बस गए हो।'

गुस्से में काले कौए ने पूछा 'किसे तुमने राजा चूना', तो मोर ने बताया उल्लू को। ये सुनते ही कौआ और गुस्सा हो गया। वो अपना सिर जोर-जोर से पीटकर काऔ-काऔ करने लगा। मोर ने पूछा 'अरे! क्या हुआ तुम्हें।' कौए ने कहा 'तुम सब बहुत मूर्ख हो। उल्लू को राजा चुन लिया, जो दिनभर सोता और जिसे सिर्फ रात में दिखाई देता। तुम अपनी परेशानी किसके पास लेकर जाओगे। इतने सुंदर और बुद्धिमान पक्षियों के होते हुए भी आलसी और कायर उल्लू को अपना राजा चुनने पर तुम्हें शर्म नहीं आई।'

धीर-धीरे कौए की बात पक्षियों पर असर करने लगी। सभी आपस में फुसफुसाने लगे। उन्हें लगने लगा कि उनसे बहुत बड़ी भूल हो गई है। इस वजह से देखते ही देखते सभी पक्षी वहां से गायब हो गए। राज्याभिषेक के लिए सजी जगह पूरी सूनी हो गई। अब जैसे ही उल्लू और दो तोते वापस आए, तो उन्होंने जगह को सूना पाया। यह देखकर दोनों अपने साथियों को ढूंढने और वहां से जाने की वजह जानने के लिए उड़ गए। वहीं, उल्लू को कुछ दिख तो रहा नहीं था, इसलिए उसे कुछ पता नहीं चला और राज्याभिषेक के लिए तैयार होने लगा, लेकिन चारों तरफ शांति होने पर उसे शक हुआ।

उल्लू जोर से चिल्लिया कहा गए सब। इतने में पेड़ पर बैठी उल्लू की दोस्त ने कहा 'सब चले गए। अब नहीं होगा आपका राज्याभिषेक। आप नहीं बनेंगे जंगल के पक्षियों के राजा।' इतना सुनते ही उल्लू ने चिल्लकार पूछा 'क्यों? ऐसा क्या हुआ?' उल्लू की दोस्त ने बताया 'एक कौआ आया और उसने सभी को पट्टी पढ़ाई। इसी वजह से सब यहां से चले गए। बस वही कौआ यहां पर है।'

ये सुनते ही उल्लू का राजा बनने का सपना चकना-चूर हो गया। दुखी उल्लू ने कौए से कहा 'तूने मेरे साथ ऐसा क्यों किया', लेकिन कौए ने कोई जवाब नहीं दिया। इतने में उल्लू ने ऐलान कर दिया 'आज से कौआ मेरा दुश्मन है। आज से सभी कौएं, उल्लूओं के दुश्मन होंगे और ये दुश्मनी कभी खत्म नहीं होगी।' इतना कहकर उल्लू उड़ गया।

उल्लू की धमकी सुनकर कौआ बहुत परेशान हो गया और कुछ देर तक सोचने लगा। इस दौरान उसके मन में हुआ कि बेकार ही उसने उल्लू से दुश्मनी मोल ली। उसे काफी पछतावा भी हुआ, लेकिन अब वो कुछ नहीं कर सकता था, क्योंकि बात बिगड़ चुकी थी। इसी सोच में कौआ वहां से उड़ गया। तब से उल्लू और कौए की दुश्मनी चलती आ रही है। इसलिए, मौका मिलते ही उल्लू, कौओं को मार देते हैं और कौए, उल्लुओं को।

कहानी से सीख

दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करना भारी पड़ सकता है। दूसरों का काम बिगाड़ने की आदत, उम्र भर की दुश्मनी दे सकती है। इसलिए, अपने काम से काम रखना चाहिए।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा। परिजनों के स्वास्थ्य और सुविधाओं की ओर ध्यान दें।

वृष विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं। सावधानी व सतर्कता से व्यापारिक अनुबंध करें।

मिथुन यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति जीवन में आनंद का संचार करेगी।

कर्क चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा।

सिंह राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे। अनुकूल समाचार मिलेंगे तथा दिन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा।

कन्या मेहनत का फल मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। महत्व के कार्य को समय पर करें।

तुला बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है।

धनु कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा।

मकर किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है। रुका कार्य होने से प्रसन्नाता होगी।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें। नए विचार, योजना पर चर्चा होगी। स्वयं की प्रतिष्ठा व सम्मान के अनुरूप कार्य हो सकेंगे।

मीन बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है।

किस कामना के लिए क्या प्रदार्थ एवं कौनसा फूल शिव को चढ़ाएं?

वाहन सुख के लिए चमेली का फूल। दौलतमंद बनने के लिए कमल का फूल, शंखपुष्पी या बिल्वपत्र। विवाह में समस्या दूर करने के लिए बेला के फूल। इससे योग्य वर-वधू मिलते हैं।पुत्र प्राप्ति के लिए धतुरे का लाल फूल वाला धतूरा शिव को चढ़ाएं। यह न मिलने पर सामान्य धतूरा ही चढ़ाएं।

मानसिक तनाव दूर करने के लिए शिव को शेफालिका के फूल चढ़ाएं।जूही के फूल को अर्पित करने से अपार अन्न-धन की कमी नहीं होती।अगस्त्य के फूल से शिव पूजा करने पर पद, सम्मान मिलता है।शिव पूजा में कनेर के फूलों के अर्पण से वस्त्र-आभूषण की इच्छा पूरी होती है।लंबी आयु के लिए दुर्वाओं से शिव पूजन करें।सुख-शांति और मोक्ष के लिए महादेव की तुलसी के पत्तों या सफेद कमल के फूलों से पूजा करें।

इसी तरह भगवान शिव की प्रसन्नता से मनोरथ पूरे करने के लिए शिव पूजा में कई तरह के अनाज चढ़ाने का महत्व बताया गया है। इसलिए श्रद्धा और आस्था के साथ इस उपाय को भी करना न चूकें। जानिए किस अन्न के चढ़ावे से कैसी कामना पूरी होती है। शिव पूजा में गेहूं से बने व्यंजन चढ़ाने पर कुंटुब की वृद्धि होती है। मूंग से शिव पूजा करने पर हर सुख और ऐश्वर्य मिलता है।

चने की दाल अर्पित करने पर श्रेष्ठ जीवन साथी मिलता है। कच्चे चावल अर्पित करने पर कलह से मुक्ति और शांति मिलती है।तिलों से शिवजी पूजा और हवन में एक लाख आहुतियां करने से हर पाप का अंत हो जाता है।उड़द चढ़ाने से ग्रहदोष और खासतौर पर शनि पीड़ा शांति होती है।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

घर में मिले 16 जहरीले कोबरा सांप और 32 अंडे

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सरैया प्रखंड के खैरा गांव में एक घर में सांपों की फौज मिली। यहां वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। राजीव रंजन के नेतृत्व में बचाव दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर चुल्हाई महतो के घर से 16 बच्चे कोबरा सांप और 32 अंडे बरामद किए। चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने मिट्टी के अंदर बने बिल से सांप और अंडे को बाहर निकाला। इस संबंध में मकान मालिक ने बताया कि सुबह उन्होंने पक्के मकान के कमरे के मिट्टी के फर्श में बने बिल से करीब छह सांप निकलते हुए देखे। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना समाजसेवी जनसुराज कार्यकर्ता व पूर्व सैनिक किशोर कुणाल को दी। किशोर कुणाल ने मामले की गंभीरता को समझते हुए सरैया बीडीओ डॉ। भृगुनाथ सिंह और प्रभारी सीओ सह पारू सीओ को घटना की जानकारी दी। इसके बाद मुजफ्फरपुर के आपदा एडीएम को इसकी जानकारी दी गई। घटना की सूचना मिलते ही तिरहुत वन प्रमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर वन विभाग के पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन के नेतृत्व में वन विभाग की रेस्क्यू टीम सरैया थाना अंतर्गत खैरा गांव पहुंची। जहां चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने एक घर के तीन कमरों में मिट्टी के नीचे बिल बनाकर छिपाए गए 16 बच्चे कोबरा सांप और उनके 32 अंडे बरामद किए। रेस्क्यू टीम ने तीनों कमरों की मिट्टी की फर्श खोदकर सभी सांपों को सुरक्षित बाहर निकाला।

बिजली गिरने से 16 साल की लड़की की मौत

जयपुर। राजस्थान में एक बार फिर से मानसून एक्टिव हो गया है। पाली-जालोर जिले में शुक्रवार को दोपहर बाद मौसम बदला और तेज बरसात हुई। पाली में बिजली गिरने से एक 16 साल की लड़की की मौत हो गई। बालोतरा में तेज बारिश के कारण जज कॉलोनी में जज के सरकारी आवास की खिड़कियों का छज्जा गिर गया। कई बार जर्जर इमारत की शिकायत करने के बाद भी रिपेयरिंग का काम नहीं हुआ। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 30 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया। पाली, सिरोही, उदयपुर, अजमेर और दौसा समेत अधिकांश हिस्सों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट है। राजस्थान में अब तक सामान्य से 2 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। प्रदेश में 18 जुलाई तक मानसून सीजन में औसत बरसात 137.7MM बारिश होती है, जबकि इस सीजन में अब तक 140.2MM बारिश हो चुकी है। बारिश से बचने के लिए सुमन अपनी बहन के साथ खेजड़ी के पेड़ के नीचे खड़ी थी। बिजली गिरने से उसकी मौत हो गई। पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन थाना क्षेत्र के आऊवा गांव के पास मेघवालों का ढिमड़ा में सुमन (16) पुत्री हरीराम मेघवाल पर बिजली गिर गई और उसकी मौत हो गई। सुमन अपनी बड़ी बहन दरिया और माता-पिता के साथ खेत पर काम कर रही थी।

सावनभर शनिवार और सोमवार को बंद रहेंगे आठवीं तक के स्कूल, आदेश जारी

एजेंसी । बदायूं

बदायूं जिले में कांवड़ यात्रा के चलते मुख्य मार्गों पर शुक्रवार रात से सोमवार रात तक रूट डायवर्जन लागू रहेगा। इससे बच्चों को स्कूल पहुंचने में दिक्कत होगी। इसके चलते कक्षा एक से आठवीं तक के स्कूलों में शनिवार और सोमवार को अवकाश घोषित किया गया है। बदायूं जिले में सावन माह के मद्देनजर बीएसए ने कक्षा आठ तक के सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त विद्यालयों में शनिवार और सोमवार को अवकाश घोषित किया है। वहीं 20 जुलाई को वृहद स्तर पर होने वाले पौधरोपण अभियान में शिक्षक व कर्मचारियों को हिस्सा लेने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिले के कछला गंगाघाट से लाखों की संख्या में कांवड़ियों का आना-जाना सावनभर लगा रहेगा। उनकी सुरक्षा की दृष्टि से शासन के निर्देश पर डीएम निधि श्रीवास्तव ने मुख्य मार्गों पर रूट डायवर्जन लागू कराया है। रूट डायवर्जन होने की वजह से शिक्षकों, बच्चों को स्कूल पहुंचने में दिक्कत होगी। इसको ध्यान में रखते हुए डीएम के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी परिषदीय मान्यता प्राप्ता, सहायता प्राप्त और प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय श्रावण मास में प्रत्येक शनिवार व सोमवार को बंद रहेंगे।

शिक्षकों ने मांगा अवकाश

कांवड़ यात्रा की वजह से शुक्रवार से सोमवार तक आवागमन में दिक्कत रहेगी। स्कूल पहुंच पाना भी मुश्किल होगा। यह मुद्दा उठाते हुए शिक्षक शिक्षामित्र अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के सदस्यों और पदाधिकारियों ने शुक्रवार दोपहर जिला अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन दिया।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए पांच जोन और 16 सेक्टर बनाए

कछला गंगा घाट से लेकर शहर तक सुरक्षा व्यवस्था को पांच जोन और 16 सेक्टर में विभाजित किया गया है। इसमें पांच सीओ, 13 थाना प्रभारी, 21 इंस्पेक्टर, 100 दरोगा, 161 हेड कांस्टेबल, 393 कांस्टेबल, 91 महिला पुलिस कर्मी और 374 होमगार्डों को सुरक्षा व्यवस्था में लगाया गया है।

नहीं सुन सकी बेटे की किलकारी

7 बेटियों के बाद हुआ था बेटा, प्रसव के बाद महिला की मौत

ANM पर लगा गंभीर आरोप

एजेंसी । सोनभद्र

बीजपुर के म्योरपुर ब्लॉक अंतर्गत जरहा गांव में बीती रात प्रसव के कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने से प्रसूता की मौत हो गई। नवजात सुरक्षित है। परिजनों ने एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उनका कहना था कि एएनएम ने पांच हजार रुपये लेकर अपने घर पर ही प्रसव कराने की बात कहते हुए सीएचसी जाने से रोक लिया था। सीएचसी अधीक्षक ने आरोपों की जांच की बात कही है।

महिला को सात बेटियां

महिला को सात बेटियां हैं। आठवीं संतान के रूप में बेटा हुआ था, लेकिन बच्चे की किलकारी सुनने से पहले ही उसकी जान चली गई। जरहा ग्राम पंचायत के लहबरवा निवासी रामनारायण की पत्नी सुशीला देवी (44) गर्भवती थी। गुरुवार की शाम प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उसे लेकर अस्पताल जा रहे थे। परिजनों के मुताबिक, एएनएम ने उन्हें यह कहते रोक लिया कि पांच हजार रुपये में वह घर पर ही सामान्य प्रसव करा देगी। रात करीब आठ बजे सुशीला ने बच्चे को जन्म दिया। इसके बाद अत्यधिक रक्तस्राव के कारण महिला की तबीयत बिगड़ने लगी।

लापरवाही के कारण मौत का आरोप

आनन-फानन एएनएम ने उसे म्योरपुर रेफर कर दिया। इसी दौरान महिला की मौत हो गई। मृतका की बेटी गीता ने थाने में तहरीर देकर एएनएम पर लापरवाही के कारण मौत, घर पर प्रसव कराने व पैसे मांगने का आरोप लगाया है। इस संदर्भ में प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा का कहना है कि तहरीर मिली है। स्वास्थ्य विभाग को अवगत जाएगा। फिलहाल शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, सीएचसी अधीक्षक म्योरपुर डॉ. पीएन सिंह ने बताया कि घर पर प्रसव नहीं कराना है। एएनएम ने बताया है कि उसने रेफर कर दिया था, मगर परिजन दोबारा उसके पास पहुंच गए थे। इस मामले में सीएमओ से वार्ता कर टीम गठित कर जांच कराई जाएगी।

पालीगंज में युवक की गोली मारकर हत्या

शव के पास से कट्टा और कारतूस बरामद

एजेंसी । पटना

पटना जिले में पालीगंज के इमामगंज थाने के अन्तर्गत मुंगला गांव के पास एक युवक को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।घटना के बाद पालीगंज डीएसपी समेत थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पटना जिले में पालीगंज के इमामगंज थाने के अन्तर्गत मुंगला गांव के पास एक युवक को अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।मृतक की पहचान इमामगंज थाना क्षेत्र के अमरेश प्रसाद पुत्र ओम प्रकाश के रूप में की गई है।मृतक के पिता जन वितरण प्रणाली की दुकान चालते हैं।इस कारण गाँव के लोगों में भरी रोष है।मौत की सूचना मिलते ही परिजनो में कोहराम मच गया। घटना के बाद पुलिस गाँव में कैम्प कर रही है। अपराधियों ने युवक की हत्या देर रत ही कर दी थी। और घटना को अंजाम देकर अपराधी फरार हो गए।

पुलिस ने हथियार के साथ 6 अपराधियों को पकड़ा

एजेंसी । बक्सर

बक्सर के राजपुर में शुक्रवार को आपसी विवाद में दो गुटों के बीच गोलीबारी की घटना सामने आयी है। पुलिस ने 6 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। दो पक्षों के बीच फायरिंग की सूचना पुलिस को मिली। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में लग गई। राजपुर थाना क्षेत्र में फायरिंग होने की सूचना पुलिस को मिली। इस घटना के बाद पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस ने इनके पास से तीन रायफल, एक बंदूक, देसी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस बरामद किया है। राजपुर थाना में कांड दर्ज कर आगे की कारवाई की जा रही है। बक्सर जिले के बहुआरा गांव में नाली के विवाद को लेकर दो गुट आपस में भीड़ गए। इसमें एक पक्ष के लोगों ने अंधाधुन फायरिंग की और दूसरे पक्ष के शिवम् कुमार को गोली लग गई, जिससे उसकी हालत नाजुक हो गई है।

मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना को मंजूरी

सड़क, नाली, पार्क के लिए हर साल दिए जाएंगे 500 करोड़ रुपए

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के शहरों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना शुरू की है। शुक्रवार को कैबिनेट द्वारा स्वीकृत इस योजना के तहत नगर विकास एवं आवास विभाग को हर साल 500 करोड़ रुपये मिलेंगे, जबकि तीन गुना राशि की योजनाओं का चयन किया जा सकेगा। योजना के तहत नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों में सड़क निर्माण, नाला निर्माण, पार्क निर्माण, तालाबों और घाटों का सौंदर्यीकरण आदि कार्य कराए जा सकेंगे।

हर साल दिए जाएंगे 500 करोड़ रुपए

नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन ने कैबिनेट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह योजना बिहार के लिए बदलावकारी योजना साबित होगी। योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य योजना मद से वित्तीय वर्ष 2024-25 और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रत्येक वर्ष 500 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है। शहरी निकायों की जनसंख्या के आधार पर राशि आवंटित की जाएगी। बुडा और बुडको इसकी क्रियान्वयन एजेंसी होगी। इनके द्वारा जिलावार निर्धारित राशि के आधार पर चयनित योजनाओं का डीपीआर तैयार किया जाएगा।

जिला स्तरीय समिति करेगी योजना की प्राथमिकता का निर्धारण

योजना की प्राथमिकता का निर्धारण जिला स्तरीय संचालन समिति करेगी। जिले के प्रभारी मंत्री समिति के अध्यक्ष होंगे जबकि जिला पदाधिकारी योजना के सदस्य सचिव होंगे। स्थानीय विधायक, विधान पार्षद, पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त या नगर कार्यपालक पदाधिकारी और बुडा/बुडको के संबंधित कार्यपालक अभियंता योजना के सदस्य होंगे।

इन सड़कों को दी जाएगी प्राथमिकता

मंत्री के अनुसार, योजना के तहत ऐसी सड़कों को प्राथमिकता दी जाएगी जो नगर निकाय की हैं और एसएच-एनएच या पथ निर्माण विभाग की सड़कों को लिंक रोड से जोड़ती हैं। इसके अलावा ऐसी सड़कें जो जनता के लिए अधिक उपयोगी हैं और अधिक आबादी को लाभ पहुंचाती हैं, उन्हें भी प्राथमिकता दी जाएगी।

नालों के चयन में आउटफॉल एरिया को प्राथमिकता

इसके अलावा नालों के चयन में आउटफॉल एरिया को भी प्राथमिकता दी जायेगी। अत्यधिक जलजमाव वाले क्षेत्रों के जल निकासी के लिए ट्रंक चैनल बनाया जायेगा और उसे आउटफॉल चैनल से जोड़ा जायेगा, जिससे नगर निकायों में जलजमाव की समस्या दूर होगी।

व्यापार जगत

ऑलटाइम हाई बनाकर टूटा शेयर बाजार

सेंसेक्स 738 गिरकर 80,604 के स्तर पर बंद, निफ्टी भी 269 अंक गिरा

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार ने 19 जुलाई को लगातार तीसरे कारोबारी दिन ऑल टाइम हाई बनाया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 81,587 और निफ्टी ने 24,853 का स्तर छुआ। हालांकि, इसके बाद बाजार में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 738 अंक की गिरावट के साथ 80,604 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 269 अंक की गिरावट रही, ये 24,530 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट और 4 में तेजी देखने को मिली।

हांगकांग के हैंगसेंग में 2.03% की गिरावट रही

रिलायंस, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बाजार को नीचे खींचा। जबकि, इंफोसिस, ITC, एशियन पेंट्स और HCL टेक ने बाजार को ऊपर खींचा। ज्यादातर एशियाई बाजारों में गिरावट देखने को मिली। जापान के निक्केई में 0.16% और हांगकांग के हैंगसेंग में 2.03% की गिरावट रही। वहीं, चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.17% की तेजी रही। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (FIIs) ने गुरुवार (19 जुलाई) को 5,483.63 करोड़ के शेयर खरीदे। वहीं, इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (DII) ने 2,904.25 करोड़ के शेयर बेचे।

गुरुवार को अमेरिकी बाजार में तेजी देखने को मिली थी। डाओ जोंस 1.29% गिरकर 40,665 पर बंद हुआ था। वहीं NASDAQ 0.70% की गिरावट के साथ 17,871 के स्तर पर बंद हुआ था।

Q1FY25 के नतीजे के बाद इंफोसिस के शेयर में करीब 3% की तेजी अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे आने के बाद इंफोसिस के शेयर में करीब 3% की तेजी देखने को मिली। हालांकि, दिनभर के कारोबार के बाद शेयर 1.78% की तेजी के साथ 1,789.35 के स्तर पर बंद हुआ। Q1FY25 यानी वित्त वर्ष 2025 में इंफोसिस का नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध-मुनाफा सालाना आधार (YoY) पर 7.1% बढ़कर 6,368 करोड़ रुपए हो गया है।

पिछले साल इसी तिमाही (Q1FY24) में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 5,945 करोड़ रुपए रहा था। वहीं, पिछली तिमाही (Q4FY24) में यह 7,969 करोड़ रुपए रहा था। यानी तिमाही आधार (QoQ) पर कंपनी का नेट प्रॉफिट 20.1% गिरा है। इंफोसिस ने गुरुवार (18 जुलाई) को Q1FY25 के नतीजे जारी किए।

गुरुवार को बाजार ने बनाया था ऑल टाइम हाई

इससे पहले 18 जुलाई को शेयर बाजार ने लगातार दूसरे कारोबारी दिन ऑल टाइम हाई बनाया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 81,522 और निफ्टी ने 24,829 का स्तर छुआ था। हालांकि, बाद में बाजार थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 626 अंक की तेजी के साथ 81,343 के स्तर पर बंद हुआ था।

वहीं, निफ्टी में भी 187 अंक की तेजी रही, ये 24,800 के स्तर पर बंद हुआ था। इससे पहले मंगलवार को भी बाजार ने ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, बुधवार यानी 17 जुलाई को मुहर्रम की छुट्टी के चलते बाजार बंद था।

माइक्रोसॉफ्ट व्यवधान से 10 बैंक, एनबीएफसी पर पड़ा मामूली असर : आरबीआई

एजेंसी । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में व्यवधान के कारण देश के 10 बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के कामकाज में मामूली व्यवधान पैदा हुआ, जिसे या तो हल कर लिया गया या समाधान किया जा रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में व्यापक व्यवधान आने से शुक्रवार को दुनिया भर में उड़ानें, बैंक, मीडिया संस्थान और कंपनियों का कामकाज बाधित हुआ। हालांकि माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह अपने माइक्रोसॉफ्ट 365 ऐप और सेवाओं तक पहुंच पर असर डालने वाली समस्या को धीरे-धीरे ठीक कर रही है। रिजर्व बैंक ने इस समस्या पर जारी एक बयान में कहा कि उसने अपनी विनियमित संस्थाओं पर इस व्यापक तकनीकी व्यवधान के प्रभाव का आकलन किया है। आरबीआई ने बयान में कहा, 'अधिकांश बैंकों के महत्वपूर्ण सिस्टम क्लाउड में नहीं हैं। इसके अलावा कुछ चुनिंदा बैंक ही क्राउडस्ट्राइक साधन का उपयोग कर रहे हैं।

JIO को अप्रैल-जून तिमाही में 5,445 करोड़ का नेट प्रॉफिट

तिमाही आधार पर यह 12% बढ़ा, रेवेन्यू 10% बढ़कर 26,478 करोड़ रहा

एजेंसी । मुंबई

रिलायंस जियो लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 5,445 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। सालाना आधार पर इसमें 12% की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान तिमाही (Q1FY-2024) में कंपनी को 4,863 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 10% बढ़कर 26,478 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 24,042 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। वहीं, पिछले तिमाही (Q4FY-2024) के मुकाबले JIO का नेट प्रॉफिट और रेवेन्यू 2%-2% बढ़े है।

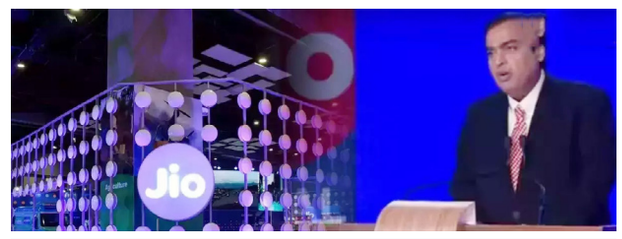

Q4FY24 में नेट प्रॉफिट 13% बढ़कर 4,716 करोड़ रहा

पिछली तिमाही यानी वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना (YoY) आधार पर 13% बढ़कर 4,716 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 4,173 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। Q4FY24 में वैल्यू ऑफ सर्विसेस से जियो की इनकम बढ़कर 27,539 करोड़ रुपए रही। जनवरी-मार्च 2023 में यह 24,602 करोड़ रुपए रही थी।

इस साल 20.33% चढ़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर

रिलायंस जियो की पेरेंट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर आज (19 जुलाई) 1.78% गिरकर 3,116.59 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी के शेयर ने पिछले 5 दिन में 1.86% का निगेटिव रिटर्न दिया है। पिछले 1 महीने में 6.84%, 6 महीने में 13.97% और एक साल में 9.68% का रिटर्न दिया है। केवल इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक की बात करें तो रिलायंस का शेयर 20.33% चढ़ा है।

पेटीएम को पहली-तिमाही में 839 करोड़ का घाटा

पिछले साल इसी तिमाही में यह 357 करोड़ था, एक साल में शेयर 45% गिरा

एजेंसी । नई दिल्ली

पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस को वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 839 करोड़ रुपए का लॉस हुआ है। पिछले वित्त वर्ष यानी 2023-24 की समान तिमाही में घाटा 357 करोड़ रुपए था। यानी, कंपनी का घाटा 134% बढ़ गया है। कंपनी के रेवेन्यू यानी आय में भी गिरावट आई है। अप्रैल-जून तिमाही में पेटीएम का ऑपरेशन से रेवेन्यू 1,502 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में रेवेन्यू 2,342 करोड़ रुपए था। यानी, पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 36% गिर गया। पेटीएम पेमेंट बैंक पर RBI की रोक के कारण उसके बिजनेस पर असर दिखा है। वहीं तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद पेटीएम के शेयरों में करीब 1% की तेजी है। ये 450 रुपए पर कारोबार कर रहा है। बीते एक साल में शेयरों में करीब 45% की गिरावट आई है।

कारोबारी घरानों को बैंक खोलने की मंजूरी देने की योजना नहीं

एजेंसी । मुंबई

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक के पास फिलहाल कारोबारी घरानों को बैंक खोलने की मंजूरी देने की कोई योजना नहीं है। दास ने कहा कि कारोबारी घरानों को बैंकों का प्रवर्तन करने की अनुमति देने से हितों के टकराव और संबंधित पक्षों के लेनदेन से जुड़ा जोखिम बढ़ जाता है। आरबीआई गवर्नर ने बैंकों के गठन की कारोबारी घरानों को मंजूरी देने संबंधी किसी योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, इस समय, उस दिशा में कोई विचार नहीं है। आरबीआई ने लगभग एक दशक पहले बैंकों के लाइसेंस देने की प्रक्रिया के अंतिम दौर में कई बड़े कारोबारी समूहों को नए बैंकों का लाइसेंस देने के अयोग्य घोषित कर दिया था। हालांकि देश की वृद्धि आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूंजी जुटाने की कारोबारी घरानों की क्षमता को देखते हुए आरबीआई के एक कार्य समूह ने वर्ष 2020 में इस मुद्दे पर नए सिरे से चर्चा शुरू की थी। दास ने 1960 के दशक के अंत में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से पहले के दौर का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भारत में भी कारोबारी घराने बैंकिंग गतिविधियों में शामिल थे।

ओलंपिक डायरी

चोट को मात दे सुखजीत ने फिर थामी स्टिक

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय हॉकी खिलाड़ी सुखजीत सिंह का दाहिना पैर पीठ की चोट के कारण अस्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गया था। पंजाब का यह खिलाड़ी छह साल पहले की निराशा को पीछे छोड़कर ओलंपिक में टीम के लिए दमदार प्रदर्शन करने को लेकर प्रतिबद्ध है। भारत के लिए 2022 में पदार्पण करने वाले अग्रिम पंक्ति के इस खिलाड़ी ने कहा, ओलंपिक में खेलना मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना रहा है। यह किसी भी खिलाड़ी के करियर का शिखर है। मैं इस अवसर को पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि मेरी कड़ी मेहनत और समर्पण सफल होगी।

दोहरे अंक में पदक दिलाने का दारोमदार निराशनेबाजों पर : सुमरिवाला

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला को उम्मीद है कि पेरिस में भारत अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दोहरे अंक में पदक जीत सकता है लेकिन इसके लिए निशानेबाजों को अच्छा करना होगा। उन्होंने कहा, हम कितने पदक जीतेंगे मैं इसे लेकर कोई संख्या नहीं बता सकता लेकिन मुझे लगता है कि हम इस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। मुझे निशानेबाजों से इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। अगर वे ऐसा करने में सफल रहे तो हम आसानी से दो अंक (10 या उससे अधिक) में पदक जीतेंगे। मैं कोई निश्चित संख्या नहीं बता सकता हूं। लेकिन खिलाड़ियों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर हमें अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है।

सही घोड़े के बिना, आप कुछ भी नहीं हैं : अनुष

एजेंसी । नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में चुनौती पेश करने को तैयार घुड़सवार अनुष अग्रवाला को यह समझने में देर नहीं लगती कि उनका घोड़ा 'सर कारमेलो' घबराया हुआ है, उत्साहित है या खुशी महसूस कर रहा है। वह कहते हैं, घोड़ों के बिना, हम कुछ भी नहीं हैं। बेशक, आपको एक अच्छा सवार बनने की जरूरत है। आपके पास एक अच्छा कोच होना चाहिए। लेकिन सही घोड़े के बिना, आप कुछ भी नहीं हैं। 24 वर्षीय अग्रवाला ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत ड्रेसेज स्पर्धा में क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय घुड़सवार हैं। वह ओलंपिक में परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता किए बिना अपने खेल को सुधारने पर ध्यान दे रहे हैं। वह 'सर कारमेलो' के साथ इस स्पर्धा का लुत्फ उठाना चाहते हैं। दोनों के बीच ऐसा बंधन है कि अग्रवाला खुद की देखभाल से ज्यादा अपने घोड़े की देखभाल करना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, घोड़ों के साथ मानसिक जुड़ाव बनाना, लोगों के साथ संबंध बनाने जैसा ही है। इसमें समय लगता है। रिश्ते कुछ घंटों या कुछ दिनों में नहीं बनते। मैंने उसके साथ काफी समय बिताया है। मैं कहूंगा कि वह हमेशा चाहता है कि मैं उस पर पूरा ध्यान दूं। यह उसके लिए सबसे जरूरी बात है। वह चाहता है कि मैं उसकी पीठ सहलाता रहूं। वह एक ऐसा घोड़ा है जिसे इंसानों के बीच रहना पसंद है। घुड़सवारी के ड्रेसेज में घोड़े के साथ राइडर की आपसी तालमेल इवेंटिंग और शो जंपिंग से अलग होती है। ड्रेसेज में घोड़ा और सवार पूर्व-निर्धारित गतिविधियों की एक सीरीज करते हैं। इस स्पर्धा में पुरुष और महिला घुड़सवार एक साथ भाग लेते हैं।

2047 में खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य: खेलमंत्री मांडविया

एजेंसी । नई दिल्ली

नए भारत के निर्माण में खेलों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि 2047 में आजादी की सौवीं सालगिरह पर देश का खेलों में भी शीर्ष पांच में रहने का लक्ष्य रहेगा। उन्होंने कहा, पिछले दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। नवनिर्माण के इस रोडमैप का हिस्सा खेल भी हैं। जब हम विकसित राष्ट्र होंगे तो खेलों में भी शीर्ष पांच में रहेंगे। खेलमंत्री ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक के लिए भारत की तैयारियों को लेकर दिल्ली खेल पत्रकार संघ द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर आयोजित परिचर्चा कहा, पदकों की संभावना को लेकर मैं कोई आंकड़ा तो नहीं दूंगा लेकिन उम्मीद है कि पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन होगा। हमने टोक्यो में सात पदक जीते थे और अब उससे आगे जाएंगे। मैं पेरिस ओलंपिक में भाग लेने जा रहे सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं।

झाझरिया को पैरालंपिक में 25 पदक की उम्मीद

पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीत चुके भालाफेंक खिलाड़ी और भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने 'अब की बार 25 पार' का स्लोगन दिया है। उन्होंने कहा, पिछले कुछ समय से भारतीय पैरालंपिक खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखते हुए मुझे यकीन है कि पेरिस में 25 से ज्यादा पदक मिलेंगे। पिछले दस साल में भारतीय खेलों का परिदृश्य पूरी तरह से बदल गया है। मैं 2004 एथेंस ओलंपिक में अपने खर्च पर गया था और विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

देश को कुछ देने के जज्बे से खेले हॉकी टीम : अशोक

भारतीय हॉकी के ओलंपिक में गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए पूर्व धुरंधर अशोक ध्यानचंद ने कहा कि पेरिस में कठिन पूल के बावजूद भारत की तैयारी इतनी पुख्ता है कि पदक पक्का लग रहा है। भारतीय टीम को पूर्व चैंपियन,अर्जेंटीना, बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीमों के पूल में जगह मिली है। अशोक ने कहा, मैं टीम से इतना ही कहूंगा कि पूल पर ध्यान नहीं दें और मैच दर मैच प्रदर्शन पर फोकस रखें। प्रो लीग में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन यह टीम उस मुकाम पर है कि अपना दिन होने पर किसी को भी हरा सकती है। कई खिलाड़ियों का यह आखिरी ओलंपिक है और पदक जीतने के लिए वे कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

बिना दबाव खेलें : सोढी

एशियाई खेल स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज रोंजन सोढी ने खिलाड़ियों को ओलंपिक के अनुभव का पूरा लुत्फ उठाने की सलाह देते हुए कहा, दबाव लिए बिना वहां के माहौल का मजा लें। निशानेबाजी में 21 सदस्यीय दल जा रहा है और मुझे पूरा यकीन है कि प्रदर्शन बहुत अच्छा रहेगा।

बेखौफ खेलो : अखिल

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज अखिल कुमार ने कहा, मैं खिलाड़ियों से इतना ही कहूंगा कि दिल से खेलों और बेखौफ खेलों। ड्रॉ में सामने कौन है, उससे फर्क नहीं पड़ना चाहिए।

तीरंदाजी में खुलेगा खाता : अभिषेक

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज अभिषेक वर्मा ने तीरंदाजी में पदक का खाता खुलने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, छह सदस्यीय टीम तीरंदाजी में उतरेगी और सभी वर्गों में खासकर पुरुष टीम से पदक की उम्मीद रहेगी। पुरुष टीम ने हाल ही में नंबर एक पर काबिज कोरियाई टीम को 6-0 से हराया। वहीं दीपिका कुमारी ने भी वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है। मुझे उम्मीद है कि इस बार तीरंदाजी में पदकों का खाता खुलेगा।

मार्क वुड की रफ्तार ने उड़ाए होश

एजेंसी । लंदन

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड एक बार फिर अपनी रफ्तार की वजह से सुर्खियों में हैं। दाएं हाथ का ये तेज गेंदबाज लगातार काफी तेज गेंद फेंकता है और नॉटिंघम टेस्ट में भी इस खिलाड़ी ने ऐसा ही किया है। मार्क वुड को जेम्स एंडरसन की जगह इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में मौका मिला और इस खिलाड़ी ने ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर अपनी रफ्तार का दम दिखा दिया। मार्क वुड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली पारी में 97.11 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी को चौंका दिया। मतलब मार्क वुड ने 156.13 किमी। प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की।

मार्क वुड का कमाल

मार्क वुड ने नॉटिंघम टेस्ट में अपने पहले ही ओवर में 90 मील प्रति घंटे का बैरियर पार किया। इस खिलाड़ी ने अपने पहले ओवर की हर गेंद 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। वो 96 मील प्रति घंटे तक गए। लेकिन अगले ओवर में ये खिलाड़ी 97 मील का बैरियर पार कर गया।

गंभीर-अगरकर के फैसले से खुश नहीं मोहम्मद कैफ

एजेंसी । मुंबई

पहली बार कप्तानी का मौका मिला तो अपनी टीम को आईपीएल चैंपियन बना दिया। फिर अगले सीजन में भी टीम को फाइनल तक पहुंचाया। इसके बाद जब टीम इंडिया की कप्तानी का मौका आया तो खुद भी अच्छा प्रदर्शन किया और टीम को भी जीत दिलाई। फिर चोट से वापसी के बाद जब टी20 वर्ल्ड कप की बारी आई तो उप-कप्तान रहते हुए टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। इतना कुछ करने के बाद भी जब नया कप्तान नियुक्त करने की बारी आई तो बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी और नए कोच गौतम गंभीर ने हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को चुना।

हार्दिक पंड्या के सपोर्ट में उठाई आवाज

ऐसे में सवाल उठता है कि हार्दिक ने आखिर क्या गलत किया? ये सवाल सिर्फ लाखों फैंस ही नहीं, बल्कि गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर का साथी रहा एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर भी पूछ रहा है। टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के लिए गुरुवार 18 जुलाई को स्क्वॉड का ऐलान हुआ। इस दौरे पर टीम इंडिया को टी20 और वनडे सीरीज खेलनी है। टीम के ऐलान से पहले ही टी20 कप्तान का मुद्दा गरमाने लगा था। टीम सेलेक्शन से पहले तो यही माना जा रहा था कि रोहित शर्मा के संन्यास के बाद

हार्दिक पंड्या ही इस फॉर्मेट में कमान संभालेंगे लेकिन अचानक कुछ रिपोर्ट्स आईं, जिसमें बताया गया था कि सूर्यकुमार यादव को ये जिम्मेदारी मिल सकती है। आखिरकार यही हुआ और हार्दिक को कप्तानी के साथ ही उप-कप्तानी से भी हटाते हुए सूर्या और शुभमन गिल को लीडरशिप थमाई गई।

'बैड न्यूज' की कहानी देखकर आप कहेंगे 'तौबा-तौबा'

- फिल्म 'बैड न्यूज'
- कलाकार : विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी वर्क, शीबा चड्ढा
- निर्माता : करण जौहर
- निर्देशक : आनंद तिवारी
- स्टार रेटिंग : 2.5/5

2.5

@लोकेश चंद्रा

'एनिमल' के कुछ दिन बाद तृप्ति डिमरी नई फिल्म 'बैड न्यूज' का पोस्टर रिलीज हुआ। जिससे उत्सुकता बढ़ गई। 'बैड न्यूज' का गाना 'तौबा तौबा' पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर खूब धमाल मचा रहा है। इसलिए फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई। लेकिन 'बैड न्यूज' देखने के बाद मुझे बहुत निराशा हुई।' कॉमेडी, रोमांस, इमोशंस वास्तव में क्या दिखाया जाए इस 'कन्फ्यूजन' के कारण फिल्म पूरी तरह से भटक गई है। इसलिए 'बैड न्यूज' देखने के बाद 'खराब मूड' के साथ थिएटर छोड़ना पड़ता है।

कहानी

यदि आपने 'बैड न्यूज़' का ट्रेलर देखा है, तो आपको कहानी का अंदाज़ा हो गया होगा। हालाँकि, अगर हम कहानी पर प्रकाश डालना चाहते हैं, तो अखिल चड्ढा (विक्की कौशल) और सलोनी (तृप्ति डेमरी) दोनों की मुलाकात एक घरेलू कार्यक्रम में हुई थी। दोनों तुरंत एक-दूसरे के प्रति आकर्षित हो जाते हैं। बाद में, वे दोस्त बन गए, प्यार हो गया और शादी कर ली। लेकिन शादी के कुछ ही दिनों बाद कुछ कारणों से दोनों का तलाक हो जाता है। इसके बाद सलोनी मसूरी के लिए रवाना हो गई। वहां उसकी मुलाकात गुलाबिर (एमी वर्क) से हुई। बाद में, चीजें तब और खराब हो जाती हैं जब सलोनी उसी रात गुरबीर और अखिल के साथ 'गड़बड़' करने के बाद गर्भवती हो जाती है। परीक्षण के बाद जन्मे बच्चे का असली पिता कौन है? अखिल या गुरबीर? ऐसा सवाल सलोनी के सामने खड़ा है। फिर कहानी में उतार-चढ़ाव आते हैं। हमारे मन में की गई भविष्यवाणियाँ सच होती हैं। अंत में 'सुखद अंत' होता है और 'बैड न्यूज़' का अंत होता है।

डायरेक्शन

फिल्म 'बैड न्यूज' को आनंद तिवारी ने डायरेक्ट किया है। आनंद वही शख्स हैं जिन्होंने 'बंदिश बैंडिट्स' जैसी खूबसूरत म्यूजिकल वेब सीरीज का निर्देशन किया था। इसके अलावा हम उन्हें 'गो गोवा गॉन' और कई विज्ञापनों में अभिनय करते हुए देख चुके हैं। यह बहुत बड़ी निराशा है कि आनंद ने बॉलीवुड में ऐसा विषय चुना। डायरेक्शन में भी आनंद इतना कमाल नहीं दिखा सके। फिल्म नीरस तरीके से आगे बढ़ती है। बैकग्राउंड म्यूजिक के जरिए कॉमेडी की कोशिश नाकाम हो जाती है। फिल्म में चुटकुले कोई नई बात नहीं है क्योंकि ये पहले ही ट्रेलर में देखे जा चुके हैं। हालाँकि, गाने और उसकी कोरियोग्राफी अच्छी है।

अभिनय

हम पूरी फिल्म अंत तक देखते हैं विक्की कौशल को धन्यवाद। अखिल के सिंपल रोल को विक्की ने बड़ी दमदारी से निभाया है। इस भूमिका के लिए विक्की का अपना अध्ययन और तैयारी स्पष्ट है। विक्की साधारण परिस्थितियों में कुछ ऐसा कर जाते हैं जिससे दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। 'एनिमल' में छोटा सा किरदार निभाने वाली तृप्ति यहां 'सजावटी गुड़िया' के रूप में नजर आ रही हैं। उन्होंने अच्छी एक्टिंग की है। उनकी कॉमिक टाइमिंग भी अच्छी है। लेकिन 'काला', 'बुलबुल' जैसी फिल्में कर चुकीं तृप्ति से बेहतर और सार्थक भूमिकाओं में नजर आने की उम्मीद की जा सकती है। एमी वर्क ने गुलबीर का किरदार ईमानदारी से निभाया है। लेकिन फिर भी उनकी जगह कोई और प्रभावी अभिनेता होना चाहिए था। क्योंकि विकी-एमी के एक साथ सीन के दौरान विकी एमी को एक्टिंग में पूरी तरह से खो देते हैं। इससे कॉमेडी की बाजीगरी उतनी नहीं चल पाती, जितनी होनी चाहिए। इस तरह 'बैड न्यूज' दौड़कर चारा खाने वाले बैल की तरह हो गई है। लघुकथा इतनी लंबी है कि अंत में उबाऊ हो जाती है। यह तुलना की बात नहीं है, लेकिन एक तरफ साउथ में हम 'मंजूमल बॉयज', 'आवेशम', 'महाराजा' जैसी एक से बढ़कर एक अनोखी फिल्में देख रहे हैं। लेकिन दूसरी तरफ बॉलीवुड आज भी 'बैड न्यूज' जैसी टिपिकल कहानी में फंसा हुआ है।

- फिल्म निर्देशक : एम के शिवाक्ष
- स्टार कास्ट : मनोज जोशी, रणवीर शौरी, हितु कनोडिया, देनिशा घुमरा आदि
- निर्माता : बी जे पुरोहित
- स्टार रेटिंग : 3.5

3.5

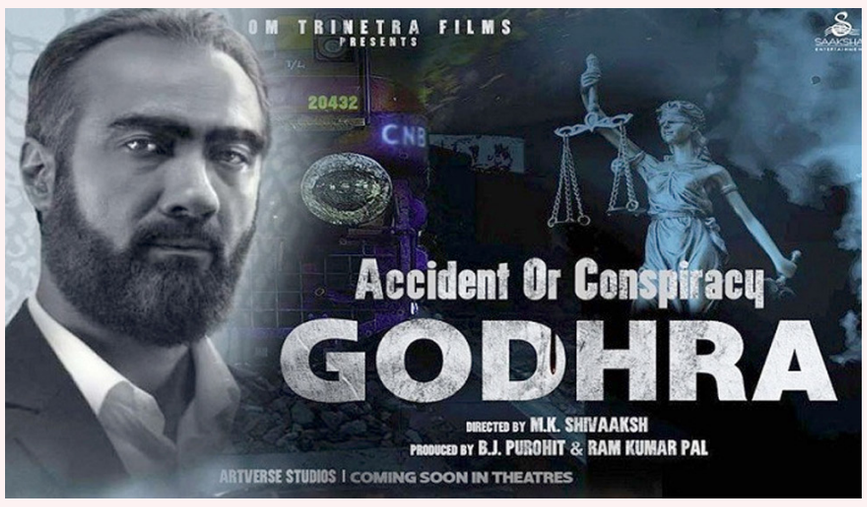

सच और झूठ का पर्दा हटाती रणवीर शौरी की ये फिल्म

एक्सीडेंट और कांस्पीरेसी' की रिलीज को लेकर काफी विवाद हुआ है। आखिरकार फिल्म रिलीज हो गई है। फिल्म भारतीय इतिहास के सबसे भयावह दंगों में से एक के बारे में बात करती है, जिसने सभी को चौंका दिया था। साल 2002 में गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन पर साबरमती ट्रेन के दो डिब्बों में आग लगाकर 59 लोगों को जला दिया गया था। ट्रेन अयोध्या से आ रही थी और उसमें सवार ज्यादातर लोग कारसेवक थे। यह फिल्म इसी घटना पर आधारित है और आपको इसके पक्ष या विपक्ष के बारे में कोई राय कायम करने नहीं देगी। 'एक्सीडेंट और कांस्पीरेसी' बस दंगों से पहले और बाद के परिदृश्यों को प्रस्तुत करती है। 'वे बनाम हम' मानसिकता के बारे में बात करती है और दर्शकों को किसी से नफरत करने के लिए प्रेरित नहीं करती है, बल्कि एक दुर्भाग्यपूर्ण सामान्य मानसिकता है के बारे में बात करती है।

कहानी

फिल्म की शुरुआत उस घटना से होती है जब लोगों के शवों को अस्पताल ले जाया जा रहा होता है। आप गुजरात राज्य के कई हिस्सों को जलते हुए देखेंगे हैं और कुछ दृश्य ऐसे हैं जो आपको असहज महसूस करा सकते हैं। भयावह दृश्य से बढ़कर कहानी फिर एक दिलचस्प कोर्टरूम ड्रामा की ओर जाती है। कहानी में महमूद कुरैशी (रणवीर शौरी द्वारा अभिनीत) नामक एक वकील अदालत में गोधरा मामले में मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि रवींद्र पंड्या (मनोज जोशी द्वारा अभिनीत) हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है। फिल्म में मीडिया के प्रभाव को भी दर्शाया गया है। मामले का लक्ष्य यह निर्धारित करना है कि गोधरा की घटना एक दुर्घटना थी या एक साजिश। फिल्म मुख्य रूप से नानावटी-मेहता आयोग द्वारा सामने रखे गए दृष्टिकोणों से संबंधित है।

फिल्मी में कुरैशी, एक वकील के तौर पर गोधरा ट्रेन आग मामले को एक दुर्घटना के रूप में प्रदर्शित करने का प्रयास करता है, वहीं पंड्या इस पूरी घटना को सिस्टम की विफलता बताता है। अभिमन्यु (एमके शिवाक्ष द्वारा अभिनीत) नामक एक कॉलेज छात्र को भी फिल्म में दिखाया गया है और वह अपने प्रोजेक्ट के लिए गोधरा पर शोध करना शुरू करता है। उसका सवाल है कि इस घटना में केवल अल्पसंख्यकों की ही जान क्यों गई, जो कि सबसे अलग सवाल के तौर पर सामने आता है। कोर्ट रूम में बहस और सत्य घटना से प्रेरित इस फिल्म की पठकथा है, लेकिन अपने टाइटल के लिहाज से फिल्म अनंत तक 'दुर्घटना या साजिश' के सवाल का जवाब नहीं देती।

निर्देशन और लेखन

एमके शिवाक्ष ने 'एक्सीडेंट और कांस्पीरेसी: गोधरा' का निर्देशन इस तरह से किया है कि फिल्म कहीं भी उबाऊ नहीं लगती, लेकिन उनकी तमाम कोशिशों के बावजूद अंत तक पटकथा ढीली पड़ जाती है। फिल्म कोर्ट में आगे बढ़ती है और फ्लैशबैक में अतीत के बारे में बात करती है, क्योंकि अभिमन्यु गोधरा की सच्चाई जानने की कोशिश करता है। प्रभावशाली संवादों के साथ-साथ इस फिल्म का कथानक भी दमदार है। कुछ क्लिप देखने में लोगों को दिक्कत हो सकती है, क्योंकि वे बेहद भयानक हैं, जीवित और मृत दोनों को आग में झुलसे दिखाया गया है। फिल्म का यह हिस्सा थोड़ा ज्यादा खिंचा हुआ भी लगता है।

अभिनय

'एक्सीडेंट ऑर कॉन्स्पिरेसी: गोधरा' में इसके कलाकारों से दमदार अभिनय की जरूरत थी क्योंकि इसे देखना मुश्किल है और इस नाटकीय कोर्टरूम को पूरी तरह से निर्देशित करते हुए शिवाक्ष ने मनोज जोशी और रणवीर शौरी को असली सिनेमा स्टार के रूप में पेश किया है। रणवीर और मनोज का अभिनय पूरे समय बेहतरीन रहा क्योंकि कोर्टरूम में दिखाए गए दृश्य बिल्कुल वास्तविक लगते हैं। हितू कनोडिया और डेनिशा घुमरा ने भी अपनी अभिनय क्षमता साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। तुलसी देवी की भूमिका में अक्षिता नामदेव प्रभावशाली हैं।

कैसी है फिल्म

'एक्सीडेंट ऑर कॉन्स्पिरेसी: गोधरा' एक भावनात्मक फिल्म है। यह फिल्म उन लोगों को पसंद आएगी जो वास्तविक जीवन पर आधारित फिल्मों में रुचि रखते हैं। कोर्टरूम ड्रामा के प्रेमी भी एमके शिवाक्ष की फिल्म से प्रभावित होंगे। कुछ मौकों पर थोड़ी भटकी होने के बावजूद, यह फिल्म गोधरा की कहानी को बयां करने का एक बेहतरीन प्रयास लगती है। रणवीर शौरी का दमदार अभिनय आपको अभिनेता के लिए भी दुखी कर सकता है क्योंकि उन्हें अवसरों की कमी के बाद बिग बॉस का प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ा। सभी बातों पर विचार करने के बाद 'दुर्घटना या साजिश: गोधरा' एक बार देखने लायक फिल्म है जो 3 स्टार की हकदार है।

दो बजे दोपहर

इंडिया&वर्ल्ड

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश की जेल में घुसे प्रदर्शनकारी छात्र, लगाई आग

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे, साथ ही राजधानी ढाका में लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया। इस बीच, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी छात्रों ने बांग्लादेश की जेल में धावा बोल दिया और जिससे वहां से सैकड़ों कैदी भाग गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने जेल में आग भी लगा दी। हिंसक प्रदर्शनों के बीच इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। राजधानी ढाका और कुछ स्थानों पर प्रदर्शन कुछ सप्ताह पहले शुरू हुए थे लेकिन सोमवार से इनमें तेजी आ गई। पड़ोसी देश में जारी विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए अहम चुनौती हैं। उन्होंने जनवरी में हुए चुनाव में लगातार चौथी बार जीत हासिल की थी। प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की आज की घटना के एक दिन पहले भी काफी हिंसा हुई थी जिसमें स्थानीय मीडिया के अनुसार 22 लोगों की मौत हो गई थी। एक रिपोर्ट में कहा गया कि शुक्रवार को चार और लोग मारे गए।

CISF ने IGI एयरपोर्ट पर 49 लाख रुपए कीमत की दवाइयां बरामद की

नई दिल्ली। CISF ने शुक्रवार (19 जुलाई) को दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर कजाकिस्तान के अल्माटी जाने वाले एक यात्री से 49 लाख रुपए कीमत की अलग-अलग दवाइयां बरामद कीं। यात्री की पहचान खबीबुल्लावे अब्दुमुतालिबजोन खोतमजोन उगली के रूप में हुई। पूछताछ करने पर यात्री सहायक दस्तावेज नहीं दिखा सका। CISF ने मामले में आगे कार्रवाई के लिए यात्री और जब्त दवाइयों को कस्टम्स विभाग को सौंप दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने NEET-SS परीक्षा 2024 को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (19 जुलाई) को केंद्र सरकार, मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (MCC) और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें 21 फरवरी 2024 को हुई बैठक में लिए गए NEET-SS परीक्षा 2024 को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के फैसले का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ता ने SC से NEET-SS परीक्षा 2024 को जुलाई-अगस्त 2024 में आयोजित कराने की मांग की है।साथ ही 21 फरवरी को हुई बैठक में लिए गए NMC के NEET-SS परीक्षा 2024 स्थगित करने की मांग की है।

धार्मिक अवशेषों के विसर्जन के लिए बनाएं अलग स्थान : एनजीटी

नई दिल्ली। गंगा और यमुना नदियों में धार्मिक अवशेषों को फेंके जाने से रोकने के लिए एनजीटी ने अलग से समर्पित स्थान विकसित करने के सुझाव दिए हैं। ताकि इनमें समारोह, अनुष्ठान के अवशेषों और प्रतिमाओं को विसर्जित किया जा सके। एनजीटी ने गढ़मुक्तेश्वर, कानपुर, बिठूर, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा और मथुरा के जिला मजिस्ट्रेटों को उन स्थानों को चिह्नित करने और निगरानी करने का भी निर्देश दिया, जहां इस तरह के अवशेष को विसर्जित किया जाता है।

धरती से आसमान तक आफत में दुनिया

क्राउडस्ट्राइक के अपडेट से माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस ठप

- दुनियाभर में 1400 फ्लाइट कैंसिल
- बैंक, स्टॉक मार्केट और टीवी चैनल पर भी असर

एजेंसी । वेलिंगटन/मुंबई

माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में शुक्रवार को आई एक तकनीकि खामी ने धरती से आसमान तक आफत मचा दी। भारत समेत दुनियाभर में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या कई विमानों ने देरी से उड़ान भरी। कई देशों में बैंक-एटीएम, मीडिया संस्थान और कॉर्पोरेट कंपनियों का कामकाज प्रभावित हुआ। कुछ समय के लिए दुनिया ठहर-सी गई। भारत में इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा को अपने नेटवर्क पर ऑनलाइन चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रियाओं में बाधा पहुंची, जिसके कारण उन्हें ऑफलाइन माध्यम से काम करना पड़ा। इस कारण राजधानी दिल्ली सहित देशभर के कई हवाईअड्डों पर लंबी कतारें देखने को मिलीं। यात्रियों को चेक-इन के लिए एक घंटे से ज्यादा समय तक इंतजार करना पड़ा। राहत की बात यह रही कि भारत में बैंकों के कामकाज पर कोई खास असर नहीं पड़ा। आरबीआई का कहना है कि इस संकट से भारतीय बैंक और भुगतान प्रणाली प्रभावित नहीं हुई। इस बीच, कॉर्पोरेट दफ्तरों में समस्या की बात जरूर सामने आई। शेयर कारोबार से जुड़े कारोबारियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। एंजेल वन, 5पैसा, आईआईएफएल सिक्योरिटीज के उपभोक्ता परेशान दिखे। उन्होंने शिकायत की कि ऐप पर ऑर्डर प्लेस करने के दौरान उन्हें तकनीकि खामियां झेलनी पड़ी।

जूझते नजर आए कई देश

इंटरनेट दिक्कतों पर नजर रखने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर ने बताया कि अमेरिका में वीजा, एडीटी सिक्योरिटी, अमेजन और अमेरिकन एयरलाइंस व डेल्टा समेत विभिन्न एयरलाइन का कामकाज ठप हुआ। ऑस्ट्रेलिया में एयरलाइंस, दूरसंचार सेवाएं, बैंक व मीडिया संस्थानों में कंप्यूटर सिस्टम पर कामकाज नहीं हो पाया। न्यूजीलैंड के कुछ बैंकों ने कहा कि उनका कामकाज भी प्रभावित हुआ है। ब्रिटेन में भी एयरलाइंस, रेलवे और टेलीविजन स्टेशन बाधित रहे। रेल सेवा ट्रांसपेनिन एक्सप्रेस और गोविया थेम्सलिंक रेलवे की सेवा कई देर तक रुकी रही। ऑस्ट्रेलियाई समाचार संस्थानों में टीवी व रेडियो चैनलों पर कुछ घंटों तक प्रसारण नहीं हो पाया। भुगतान प्रणाली में खराबी के कारण कुछ सुपर मार्केट और दुकानों पर भुगतान करने में उपभोक्ता असमर्थ रहे। कुछ देशों में अस्पतालों में भी काम प्रभावित होने की बात सामने आई है। हालात की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि स्काई न्यूज को ब्रिटेन में थोड़े समय के लिए अपना प्रसारण रोकना पड़ा।

इंफो : इस तरह शुरू हुई परेशानी

दिक्कत : स्क्रीन नीली, कंप्यूटर शटडाउन

दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के प्रभावित यूजर को अपने कंप्यूटर सिस्टम पर नीली स्क्रीन दिखाई दी, जिसे ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ कहा जाता है। इससे उनके सिस्टम खुद ही रीस्टार्ट या शटडाउन हो गए। ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ एक एरर है, जो विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर दिखाई देती है। इससे डाटा को नुकसान पहुंचता है और उसे रिकवर करना मुश्किल होता है।

वजह : साइबर हमला नहीं, एक अपडेट बनी समस्या

शुरुआत में इसे साइबर हमला समझा गया पर बाद में इसकी वजह क्राउडस्ट्राइक का एक अपडेट बताया गया। क्राउडस्ट्राइक एक साइबर सुरक्षा कंपनी है, जो माइक्रोसॉफ्ट को साइबर हमलों से बचाने का काम करती है। कंपनी ने बताया कि उसने एक अपडेट जारी किया था, जिसकी वजह से यह समस्या खड़ी हुई। क्राउडस्ट्राइक के सीईओ जॉर्ज कर्ट्ज ने एक्स पर पोस्ट किया कि कंपनी ने विंडोज के लिए अपडेट में पाई गई खामी की पहचान कर ली है और उसका समाधान भी कर दिया है।

सबसे ज्यादा प्रभावित सेवाएं

1. **एयरलाइंस :** एक अनुमान के मुताबिक, दुनियाभर में इस दिक्कत के कारण एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ी। इसके अलावा तीन हजार से ज्यादा विमानों ने देरी से उड़ान भरी। अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू यात्रियों को इस समस्या का सामना करना पड़ा। अमेरिका, भारत और ऑस्ट्रेलिया के हवाईअड्डों में इस दौरान भारी भीड़ और लंबी कतारें देखने को मिली।

2. **बैंकिंग :** अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में बैंकिंग व्यवस्था पर सबसे ज्यादा असर पड़ा। इस वजह से दोनों देशों के कई प्रमुख बैंक में काम ठप रहा और एटीएम सेवाएं भी प्रभावित हुईं। हालांकि, भारत में बैंकिंग व्यवस्था पर इसका असर नहीं पड़ा।

खामी : एज्योर क्लाउट और माइक्रोसॉफ्ट 365 गड़बड़ाई

अपडेट के कारण माइक्रोसॉफ्ट की दो प्रमुख सेवाओं 'एज्योर क्लाउड और माइक्रोसॉफ्ट 365 में खामी आई। दोनों ही प्लेटफॉर्म का उपयोग एयरलाइन, शॉपिंग मॉल, बैंकिंग, टिकट बुकिंग जैसी कई तकनीकि सेवाओं के लिए किया जाता है। ये सेवाएं प्रबंधन का काम आसान बनाती हैं। कंपनियां इनके जरिये ऐप से अपनी सेवाओं का विस्तार आसानी से कर पाती हैं।

कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी । नई दिल्ली

1984 सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने के बारे में अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। इस मामले में तीन लोग मारे गए थे। सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश राकेश सियाल की अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी व बचाव पक्ष के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। दो अगस्त को फैसला सुनाया जा सकता है। सीबीआई ने एक गवाह के हवाले से आरोपपत्र में कहा था कि टाइटलर एक नवंबर 1984 को गुरुद्वारा पुल बंगश के सामने एक सफेद एम्बेसडर कार से बाहर निकले और भीड़ को सिखों की हत्या करने के लिए उकसाया। पूर्व केंद्र मंत्री टाइटलर पर आरोप है कि उन्होंने भीड़ से कहा था कि सिखों को मार डालो, उन्होंने हमारी मां को मार डाला है। इस घटना के बाद तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी।

क्या है मामला ?

ज्ञात रहे कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्तूबर 1984 को उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या किए जाने के बाद देश के कई हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे। पिछले वर्ष अगस्त में एक सत्र अदालत ने इस मामले में टाइटलर को अग्रिम जमानत दे दी थी। अदालत ने टाइटलर पर कुछ शर्तें भी लगाई थीं, जिनमें यह शर्तें भी थीं कि वह सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगे और बिना अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे। केंद्रीय एजेंसी ने टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगा), 109 (अपराध के लिए उकसाना) और 302 (हत्या) के तहत आरोप लगाए हैं।

तीन बार मिल चुकी क्लीनचिट

इससे पहले तीन बार जगदीश टाइटलर को सिख विरोधी दंगा मामलों में क्लीनचिट मिल चुकी है। सीबीआई ने पूर्व में तीन बार जांच कर अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। हालांकि, एक बार फिर मुद्दा उठाए जाने पर सीबीआई ने इस बार टाइटलर के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। आरोपपत्र पर अभियोजन व बचाव पक्ष की जिरह सुनने के बाद अदालत ने आरोप तय पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

मालगाड़ी पटरी से उतरी, कोई हताहत नहीं

सूरत। गुजरात में वलसाड और सूरत स्टेशन के बीच शुक्रवार को मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। इस घटना में फिलहाल

किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपराह्न करीब तीन बजे डुंगरी स्टेशन के पास हुई इस घटना के कारण मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। मालगाड़ी सूरत की तरफ जा रही थी। मुंबई-अहमदाबाद ट्रंक रूट पर यह दुर्घटना उस समय हुई, जब केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पश्चिम रेलवे मुख्यालय में रेलवे सुरक्षा और अन्य मुद्दों की समीक्षा कर रहे थे।

कर्नाटक में 12 अधिकारियों के आवास पर छापेमारी

बेंगलुरु। लोकायुक्त ने कर्नाटक के 12 अधिकारियों के आवास पर छापेमारी की। बेंगलुरु शहर में छह अधिकारियों के आवास पर छापा मारा गया। इसके अलावा बमगलूरू ग्रामी जिले के दो अधिकारी, शिमोगा के दो अधिकारी, यदागिरी, तुमकुर में एक-एक अधिकारियों के आवास पर छापेमारी की गई।

खालिस्तान समर्थकों पर एनआईए लगातार कस रही शिकंजा

एजेंसी । नई दिल्ली

- खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह संधू उर्फ लांडा का प्रमुख सहयोगी गिरफ्तार
- व्यापारियों से जबरन वसूली को घातक हथियारों की सप्लाई से जुड़ा मामला

एनआईए खालिस्तानी आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी है। खालिस्तान समर्थकों पर शिकंजा कसने की मुहिम के तहत एनआईए ने कनाडा स्थित खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह संधू उर्फ लांडा के एक प्रमुख सहयोगी को एक बड़े आतंकवादी नेटवर्क मामले में गुरुवार को गिरफ्तार किया है।

शुक्रवार को एनआईए ने इस संबंध में विस्तृत ब्योरा देते हुए कहा कि यह मामला व्यापारियों सहित अन्य लोगों से जबरन वसूली के लिए घातक हथियारों की आपूर्ति करने से जुड़ा है। एनआईए ने बताया कि मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के रहने वाले बलजीत सिंह उर्फ राणा भाई उर्फ बल्ली को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। बल्ली पंजाब में लांडा के आदमियों को हथियारों की सप्लाई करने वाला प्रमुख व्यक्ति था। सप्लाई किए गए इन हथियारों का इस्तेमाल व्यापारियों और अन्य लोगों से जबरन वसूली करने समेत आतंकी गतिविधियों को बड़े पैमाने पर अंजाम देने के लिए किया जाता था। जांच के दौरान गुरप्रीत सिंह गोपी नामक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान लांडा के सहयोगी के रूप में की गई है। एक अन्य खालिस्तानी आतंकी सतनाम सिंह सत्ता को भी गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने 10 जुलाई, 2023 को स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला दर्ज किया था।

चिनाब ब्रिज पर 15 अगस्त को चलेगी पहली ट्रेन

यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज , 8 तीव्रता के भूकंप को झेल सकता है

एजेंसी । श्रीनगर

चिनाब ब्रिज को रियासी जिले में बक्कल से कौड़ी के बीच बनाया गया है। इसकी लागत 1400 करोड़ रुपए है। 20 जून को ट्रेन का ट्रायल रन हुआ था। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बने दुनिया के सबसे ऊंचे स्टील आर्च ब्रिज पर स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को पहली ट्रेन चलेगी। संगलदान से रियासी के बीच चलने वाली यह ट्रेन सर्विस उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (USBRL) प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

20 जून को ट्रेन का ट्रायल रन हुआ था

इस ब्रिज पर 20 जून को ट्रेन का ट्रायल रन हुआ था। इससे पहले 16 जून को ब्रिज पर इलेक्ट्रिक इंजन का ट्रायल हुआ था। यह ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से 29 मीटर ऊंचा है। एफिल टॉवर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। यह ब्रिज 40 किलो तक विस्फोटक और रिक्टर स्केल पर 8 तीव्रता तक के भूकंप को झेल सकता है। पाकिस्तानी सीमा से इसका एरियल डिस्टेंस महज 65 किमी है। इस ब्रिज के शुरू होने से कश्मीर घाटी हर मौसम में ट्रेन के जरिए भारत के दूसरे हिस्सों से जुड़ जाएगी।

यूपी के बाद अब उत्तराखंड में दुकानदारों पर सख्ती

कांवड़ मार्ग पर 'नेमप्लेट' लगानी होगी

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश के बाद उत्तराखंड भी कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों के मालिकों पर सख्ती करेगी। यहां भी दुकानदारों को दुकान पर अपनी 'नेमप्लेट' लगानी होगी। यह आदेश हरिद्वार में लागू किया गया है। हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) प्रेमेंद्र डोभाल ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानों पर मालिक का नाम न लिखे जाने से अक्सर विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है, कई बार यात्री इस पर आपत्ति भी जताते हैं।

क्यूआर कोड पर भी इसका उल्लेख होना जरूरी

उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए हरिद्वार पुलिस मार्ग पर पड़ने वाली सभी दुकानों, रेस्टोरेंट, होटल, ढाबों और रेहड़ी-पटरी वालों का सत्यापन करेगी। पुलिस इस बात पर भी जोर दे रही है कि मालिकों के नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं और QR कोड पर भी इसका उल्लेख हो। यह निर्णय हितधारकों के साथ कई बैठक के बाद लिया गया है। कुछ थानों ने ढाबा मालिकों के साथ भी बैठक की।

उत्तर प्रदेश ने शुक्रवार को लागू किया है आदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि सभी कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों पर दुकानदारों को अपना नाम लिखना होगा। आदेश में कहा गया कि कांवड़ मार्गों पर खाद्य पदार्थों की दुकानों पर 'नेमप्लेट' लगानी होगी, जिससे कांवड़ यात्रियों की आस्था की पवित्रता बनी रहे। हलाल सर्टिफिकेशन वाले उत्पाद बेचने वालों पर भी कार्रवाई होगी। बता दें कि सबसे पहले यह आदेश मुजफ्फरनगर पुलिस ने लागू किया था, जिसपर काफी विवाद हुआ था।

बच्चों की अश्लील फिल्में देखने वाले आरोपी को कर्नाटक हाई कोर्ट ने बताया बेगुनाह

एजेंसी । बेंगलुरु

बच्चों की अश्लील फिल्में देखना अपराध है या नहीं, इसको लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, बच्चों की अश्लील फिल्म देखने के मामले में एक आरोपी को कर्नाटक हाई कोर्ट ने बेगुनाह बताते हुए राहत दी है। न्यायमूर्ति एन नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने कहा कि इंटरनेट के माध्यम से बच्चों की अश्लील फिल्में देखना अपराध नहीं है। उन्होंने मामले को रद्द कर दिया है।

बेंगलुरु साइबर अपराध पुलिस ने दर्ज किया था मामला

रिपोर्ट की पुष्टि की गई तो अश्लील फिल्म देखने वाला इनायतुल्ला पाया गया। 2 महीने बाद मई, 2023 में इनायतुल्ला के खिलाफ बेंगलुरु साइबर अपराध पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी (IT) अधिनियम की धारा 67B के तहत मामला दर्ज किया। इसी मामले को रद्द करने के लिए इनायतुल्ला हाई कोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में कहा कि याचिकाकर्ता बच्चों की अश्लील फिल्में देखने का आदी है, लेकिन उसने इसका निर्माण या साझा नहीं किया है।

कोर्ट ने किस आधार पर दी आरोपी इनायतुल्ला को राहत?

पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप यह है कि उसने एक अश्लील वेबसाइट देखी है, जबकि कोर्ट के विचार में, यह सामग्री का निर्माण या उसको प्रसारित करना नहीं माना जाएगा। पीठ ने IT अधिनियम की धारा 67B का हवाला देते हुए कहा कि इसके तहत सिर्फ उन्हीं व्यक्तियों को दंडित किया जा सकता है जो बच्चों के अश्लील वीडियो तैयार करें और उनको साझा करें। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता एक अश्लील फिल्मों का आदी हो सकता है, जिसने पोर्नोग्राफिक सामग्री देखी है, लेकिन याचिकाकर्ता के खिलाफ इससे परे कुछ भी आरोपित नहीं है।

क्या है पूरा मामला?

कोर्ट होसकोटे के इनायतुल्ला एन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने उनके खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने की मांग की थी। इनायतुल्ला मार्च 2023 को दोपहर में अपने मोबाइल फोन पर इंटरनेट के जरिए बच्चों की अश्लील फिल्म देख रहे थे। तभी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) को इसकी जानकारी केंद्र सरकार के पोर्टल से मिली। इसके बाद बेंगलुरु के अपराध जांच विभाग (CID) ने बेंगलुरु साइबर अपराध ब्यूरो को रिपोर्ट भेजी।

संसद के मानसून सत्र में केंद्र सरकार पेश कर सकती है 6 नए विधेयक

एजेंसी । नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होने वाला है। इस दौरान केंद्र सरकार 6 नए विधेयक पेश कर सकती है। इसमें आपदा प्रबंधन के साथ 5 अन्य विधेयक शामिल हैं। मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा। इस बीच 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आम बजट पेश करेंगी। संसद में आम बजट पर चर्चा होने के साथ ही विधेयक पर भी चर्चा होने की संभावना है।

कौन-कौन से नए विधेयक लाएगी सरकार?

केंद्र सरकार आपदा प्रबंधन विधेयक के अलावा वित्त विधेयक, बॉयलर विधेयक, भारतीय वायुयान विधेयक, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक और रबर (संवर्धन और विकास) विधेयक शामिल है। भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पेश करने के बाद यह विमान अधिनियम 1934 का स्थान लेगा। बताया जा रहा है कि इस विधेयक से नागरिक विमानन क्षेत्र में कारोबार को आसान बनाने के प्रावधान होंगे। इसके अलावा कॉफी और रबर के उत्पादन और कारोबार को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने तय कर दी एजेंडा तय करने वाली समिति

मानसून सत्र शुरू होने से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय एजेंडा तय करने वाली कार्य मंत्रणा समिति (BAC) का गठन कर दिया है। इस समिति में विभिन्न दलों के 14 मनोनीत सांसद शामिल हैं, जिसमें भाजपा से निशिकांत दुबे, अनुराग ठाकुर, भर्तृहरि महताब, पीपी चौधरी, बैजयंत पांडा और डॉ. संजय जायसवाल हैं। कांग्रेस से के. सुरेश और गौरव गोगोई, तृणमूल कांग्रेस से सुदीप बंद्योपाध्याय, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम से दयानिधि मारन और शिवसेना (उद्धव) से अरविंद सावंत शामिल हैं।